कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | रविवार 09 मार्च 2025 | वर्ष– 8 | अंक– 1305 | पृष्ठ– 6 | T/WB/2025/0130/2064/1269

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

देवी नहीं बल्कि महिलाओं को बराबरी का दर्जा दीजिए

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक अहम बयान दिया है. उन्होंने कहा कि महिलाओं को देवी के रूप में स्तुति की बजाय उनके बराबरी के रूप में देखा जाना चाहिए. यह संदेश उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से दी, जिसमें उन्होंने महिलाओं को हर दिन अपनी ताकत और शक्ति को पहचानने के लिए प्रेरित किया.

ममता बनर्जी ने कहा, "महिलाओं के लिए सिर्फ एक दिन समर्पित नहीं होना चाहिए, क्योंकि हर दिन हर महिला का है. हर महिला में दुनिया को आकार देने की ताकत होती है. मैं अपनी सभी माताओं और बहनों से कहना चाहती हूं, यह सबसे अच्छा समय है अपनी ताकत की गहराई

को पहचानने का.

सीएम ममता बनर्जी ने समानता की दुनिया की अपील की, जहां हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी लिंग का हो, सफलता पाने और अंतर पैदा करने का अधिकार रखता है. उन्होंने कहा, "हम समानता की दुनिया में विश्वास करते हैं, जहां हर व्यक्ति को उड़ान भरने का अधिकार है. अपने पंख खोजें, और साथ में हम आकाश पर विजय प्राप्त करेंगे. यह दुनिया हम सभी की है, चाहे हम किसी भी जीवन के पथ से गुजरें.

महिलाओं को देवी या देवता के रूप में नहीं, बल्कि समान अधिकारों के साथ इंसान के रूप में सम्मानित करने की बात करते हुए, ममता बनर्जी ने कहा, "इस महिला दिवस पर, हमें महिलाओं को देवी के रूप में नहीं, बल्कि बराबरी के रूप में देखना चाहिए. यह दिन इस बात की याद दिलाता है कि हर दिन सबका है, और सभी लोग, चाहे वह किसी भी लिंग के क्यों न हों, देखे जाने, सुने जाने और आदर पाने के अधिकारी हैं.

बंगाल के शिक्षा मंत्री को बांग्लादेश से मिली धमकी

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (कोलकाता): जादवपुर यूनिवर्सिटी (जेयू) परिसर में गत एक मार्च को हुई अशांति की घटना को लेकर बांग्लादेश के तीन छात्र संगठनों ने बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु को बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी है। उन्होंने शिक्षा मंत्री को अविलंब अपने पद से इस्तीफा देने को भी कहा है। कोलकाता पुलिस सूत्रों के हवाले से यह जानकारी मिली है, हालांकि इन छात्र संगठनों के नामों का खुलासा नहीं किया गया है। तीनों संगठन

बांग्लादेश की राजधानी ढाका -आधारित बताए गए हैं। पता चला है कि शिक्षा मंत्री के आवास के आसपास धमकी भरे पोस्टर चस्पे मिले हैं। इसे देखते हुए शिक्षा मंत्री की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस को आशंका है कि बांग्लादेशी छात्र संगठनों के सदस्य कोलकाता आकर वामपंथी छात्र संगठनों को अशांति फैलाने के लिए उकसा सकते हैं।

मालूम हो कि शिक्षा मंत्री जेयू के प्रोफेसरों के संगठन की बैठक में भाग लेने वहां गए थे। बैठक के बाद जेयू परिसर से निकलते वक्त माकपा के छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के सदस्यों ने उनकी गाड़ी रोककर जेयू में छात्र संघ का चुनाव जल्द कराने की मांग की। उसी दौरान शिक्षा मंत्री व उनके काफिले की कुछ गाड़ियों में तोडफोड़ की गई, जिसमें ब्रात्य बसु को भी चोटें आई थीं। दूसरी तरफ एसएफआई ने शिक्षा मंत्री पर अपनी कार से उसके कई सदस्यों को कुचलकर घायल करने का आरोप लगाया।

बांकुड़ा जिला पुलिस की अनूठी पहल

अमन राय

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (बांकुड़ा): पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में पुलिस द्वारा चलाई जा रही योजना "उद्दीपन" छात्रों के लिए वरदान है. दरअसल इस योजना के माध्यम से जिला पुलिस द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्र से चयनित छात्रों को एक विशेष ट्रेनिंग दिलवाती है. जो छात्र पुलिस, सीएपीएफ, आर्मी में नौकरी पाना चाहते हैं उनके लिए यह ट्रेनिंग काफी फायदेमंद है. जिला पुलिस द्वारा इन परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कक्षाएं शुरू की है. इसके माध्यम से अनुभवी शिक्षको व प्रशिक्षकों की देखरेख में आउटडोर एवं इंडोर अभ्यास कराई जाती है. इसी के तहत बांकुड़ा जिले के तालडंगरा थाने की ओर से एक प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया. इस कार्यक्रम के तहत 5 किलोमीटर की दौड़ एवं पुरस्कार वितरण भी किया गया. इस उद्घाटन समारोह के मौके पर जिले के एसपी वैभव तिवारी आईपीएस, एडिशनल एसपी, एसडीपीओ,सहित अन्य कई अधिकारी उपस्थित थे. इस प्रशिक्षण के लिए 186 छात्र पहले ही अपना नामांकन करा चुके हैं.उम्मीद है पुलिस के इस सार्थक प्रयास से छात्रों को परीक्षाओं में काफ़ी मदद मिलेगी और वह अपने मुकाम हासिल कर पाएंगे.

महिलाओ को जानकारी नहीं और उठा लिया 50 लाख रुपये का ऋण

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (पुरुलिया): महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई निजी बैंकिंग संस्थाएं महिलाओं को समूह ऋण तथा विभिन्न प्रकार के व्यवसायों के लिए ऋण उपलब्ध कराती हैं। इसी तरह, इन बैंकों ने पुरुलिया जिले के आद्रा थाना के खराई गांव में लगभग 30 महिलाओं को करीब 50 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध कराया था।

लेकिन गांव की महिलाओं की शिकायत है कि उन्हें इस लोन के बारे में कोई जानकारी नहीं है। गांव की महिलाओं ने बताया कि हमारे गांव में एक महिला समूह का गठन किया गया था। इस समूह की लीडर पार्वती बाउरी हैं, जो खरई गांव के बेको ग्राम पंचायत की सदस्य हैं।

इस समूह का गठन पार्वती बाउरी के पति स्वपन कुमार बाउरी के घर पर किया गया था। सारे दस्तावेज वहां दिए गए थे, जहां से दस्तावेजों का एजेंटों को आदान-प्रदान होता था। महिलाओं ने उन दस्तावेजों में जालसाजी का आरोप लगाया।

किसी ने तीन, किसी ने चार, किसी ने पांच लोन लिए हैं। पार्वती बाउरी ने महिलाओं के पतियों के हस्ताक्षर के बिना ही एजेंटों के माध्यम से लोन ले लिया। जब महिलाओं को ऋण के बारे में पता चला और उन्होंने पार्वती से इसके बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, "मैंने ऋण लिया है और मैं इसे चुका दूंगी।"
आपलोगों को कोई चिंता नहीं। पूरा कर्ज चुकाती रही। पर कुछ दिनों बाद ही अचानक इसी वजह से अपने गांव के घर छोड़ कर भाग गई।

वर्तमान में, उस महिला के समूह के कई लोगों को अपना ऋण चुकाने में परेशानी हो रही है।
दूसरी ओर, आरोप है कि बैंक अधिकारियों ने लोन चुकाने के लिए बार-बार महिलाओं के घर जाकर, उन्हें फोन कर उन्हें लोन चुकाने के लिए दबाव बना रहे हैं।

गांव की महिलाएं इन मुद्दों को लेकर असहज महसूस कर रही हैं। इसलिए आज करीब 30 महिलाओं ने आद्रा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए करीब 50 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है।

विद्यासागर शिक्षक शिक्षण महाविद्यालय की सांस्कृतिक प्रतियोगिता में झूमे दर्शक

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (खड़गपुर): पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत कल कल तक होगा मेदिनीपुर स्थित विद्यासागर शिक्षक शिक्षण महाविद्यालय में सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोरंजन भौमिक ने ईश्वर चंद्र विद्यासागर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस अवसर पर झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसर डॉ. तपन कुमार बसन्तिया और प्रोफेसर मनोज कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों जैसे कि अंकन, अभिनय, नृत्य, संगीत, तबला, नाटक, और वाद-विवाद में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को प्रोत्साहित करने के लिए संगीतकार रथीन दास, नृत्यांगना नवनीता बोस, चित्रकार सुकांत दास, शिक्षक सुदीप कुमार खांड़ा, तबला वादक सुप्रतिम राउत, और नाट्यकर्मी मुस्ताक अली सहित अन्य कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। इसके अलावा, महाविद्यालय के प्रोफेसर, प्रोफेसरा, और शिक्षा कर्मी भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि स्वस्थ समाज और परिवेश के लिए कला और संस्कृति का संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। उसके बगैर हम अनुकूल समाज की कल्पना भी नहीं कर सकते।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हुआ नारी शक्ति का सम्मान

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (खड़गपुर): पश्चिम मेदिनीपुर के झोंतला गांव में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक समारोह आयोजित किया गया, जिसमें झोंतला ग्राम पंचायत की महिला सदस्यों और क्षेत्र की प्रमुख महिलाओं को सम्मानित किया गया।

समारोह में झोंतला ग्राम पंचायत की प्रधान आयशा बीबी, सोलंगा महिला एकता सम्मेलन की सचिव चायना सामंत, अध्यक्ष ओपू सामंत, और अन्य कई प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर पांच महिलाओं को उनके क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इनमें शिक्षा क्षेत्र में जयंती ढाल, ग्रामीण स्वास्थ्य क्षेत्र में आशा कार्यकर्ता काकली दे, सामाजिक क्षेत्र में केशपुर पंचायत समिति की सह-सभापति पानमणि मुर्मू, सुचित्रा मंडल, और शिशु पालन क्षेत्र में सुशंगठित शिशु विकास सेवा परियोजना की कार्यकर्ता मोसाम्मत रफीकुन्नेसा बीबी शामिल थीं।

समारोह में उपस्थित सभी महिलाओं को स्मृति चिन्ह और रंगीन गुलाब के पौधे दिए गए। आयोजकों ने घोषणा की कि अगले वर्ष भी इसी तरह महिला दिवस मनाया जाएगा।

इस अवसर पर झोंतला ग्राम पंचायत के प्रमुख व्यक्तियों और क्षेत्र की महिलाओं ने अपने विचार व्यक्त किए। समारोह का आयोजन एकता सम्मेलनी द्वारा किया गया था।

बांग्लादेशी तस्करों द्वारा बीएसएफ जवानों पर हमला

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (कोलकाता): बांग्लादेशी तस्करों द्वारा पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाके में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवानों पर हमले का एक और मामला सामने आया है. घटना 8 मार्च सुबह की है. तस्करों ने बीएसएफ सिलीगुड़ी सेक्टर के अंतर्गत दार्जिलिंग जिले के राजगंज थाना क्षेत्र के खालपारा गांव के सीमावर्ती इलाके में ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ पार्टी पर हमला किया. करीब 15 से 20 बांग्लादेशी तस्करों के एक समूह ने अवैध रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार की और बाड़ तोड़कर भारतीय क्षेत्र में काफी अंदर तक प्रवेश कर गए.

बांग्लादेशी तस्करों दल में भारतीय पक्ष के बदमाश भी शामिल हो गए थे. इनका उद्देश्य भारतीय तस्करों की मदद से मवेशियों और प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी करना था. बीएसएफ के जवानों ने घुसपैठ का पता लगाया और तस्करों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा. बीएसएफ द्वारा सावधानी बरतने के बावजूद, बदमाशों ने लोहे के डंडे, लाठियों और तेज धार वाले हथियारों से जवानों पर हमला किया और पत्थर फेंके. बीएसएफ के जवानों ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए गैर-घातक गोला-बारूद यानी स्टन ग्रेनेड और पीएजी दागे.

लेकिन बदमाशों ने बीएसएफ पार्टी के साथ मारपीट जारी रखी और हथियार छीनने की कोशिश की. परिणामस्वरूप, हमले में ड्यूटी पर तैनात एक बीएसएफ जवान बुरी तरह घायल हो गया. अपनी जान को खतरा देखते हुए बीएसएफ पार्टी ने बदमाशों को रोकने के लिए इंसास से फायरिंग की. इसके बाद तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए. घटना के बाद इलाके की तलाशी के दौरान एक अज्ञात घायल व्यक्ति को देखा गया, जो बाद में घायल अवस्था में भाग गया.

घटनास्थल से दो मवेशियों को भी जब्त किया गया, साथ ही हमले में इस्तेमाल किए गए लोहे के दाह और लाठियां भी बरामद की गईं.

तलाशी के दौरान, बांग्लादेश के साथ लगने वाले अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर बाड़ के टूटने का भी पता चला, जिसे बांग्लादेशी तस्करों ने भारत से मवेशियों की तस्करी करने के लिए तोड़ा था. घायल बीएसएफ जवान को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चन रहा है और उसकी हालत स्थिर है.

स्कूल भर्ती घोटाले में निजी प्रमोटर अयन सिल को जमानत

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (कोलकाता): विशेष अदालत ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के चर्चित स्कूल भर्ती घोटाले में निजी प्रमोटर अयन सिल को जमानत दे दी। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई द्वारा दर्ज किया गया था।

अदालत ने अयन सिल को एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी है। इससे पहले इसी मामले में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी द्वारा दर्ज मामलों में भी अयन सिल को जमानत मिल चुकी है।

हालांकि, सीबीआई और ईडी के मामलों में जमानत मिलने के बावजूद अयन सिल जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। वजह यह है कि पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के नगर पालिका भर्ती घोटाले से जुड़े मामलों में उनके खिलाफ सीबीआई और ईडी की जांच अभी जारी है और इन मामलों में भी वह गिरफ्तार दिखाए गए हैं।

ईडी ने मार्च 2023 में अयन सिल को स्कूल भर्ती घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के दौरान अयन सिल के घर से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए थे, जिनसे नगर पालिका भर्ती घोटाले का भी खुलासा हुआ था।

बाद में नगर पालिका भर्ती घोटाले के मामलों में भी सीबीआई और ईडी ने अयन सिल को गिरफ्तार दिखाया। आरोप है कि अयन सिल ने राज्य की 17 नगर पालिकाओं में पैसों के बदले अवैध रूप से नौकरी दिलाने का काम किया। इन 17 नगर पालिकाओं में कुल एक हजार 821 लोगों की गैरकानूनी नियुक्तियां की गईं।

सीबीआई की जांच में इस घोटाले में 200 करोड़ रुपये की अवैध कमाई के लेनदेन का पता चला है। जिन 17 नगर पालिकाओं में यह गड़बड़ी हुई, उनमें अधिकतर उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिलों की नगर पालिकाएं शामिल हैं।

शराब पीने को लेकर तृणमूल कांग्रेस के दो गुटों में हिंसक झड़प

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (बीरभूम): दुबराजपुर थाना अंतर्गत बोधग्राम में शराब पीने को लेकर तृणमूल कांग्रेस के दो गुटों में हिंसक झड़प हो गयी. जम कर मारपीट और पत्थरबाजी में दोनों पक्षों से करीब पांच लोगों के घायल होने की खबर है. घायलों को नजदीकी दुबराजपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के बाद से गांव में उत्तेजना के मद्देनजर भारी पुलिस बल ने मोर्चा संभाल लिया है और गश्त कर रही है. इस बाबत स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि शेख रहीम और शेख असगर गुट के बीच हिंसक झड़प हुई है. इसमें घायल रंजीत डोम नामक कार्यकर्ता ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ शुक्रवार रात बैठ कर शराब पी रहा था, तभी दूसरे गुट शेख असगर के लोग वहां आये और उन लोगों से उलझ गये. वे लोग भी वहां शराब पीने की जिद करने लगे. इसे लेकर दोनों गुटों में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते-देखते हिंसक झड़प में बदल गयी. दोनों ओर से जम कर लाठी, डंडा और पत्थर चलाये गये. इस बीच, दोनों गुटों से पांच लोगों के घायल होने की सूचना है. घटना की खबर पाने पर रात में ही भारी पुलिस बल ने वहां पहुंच कर स्थिति संभाल ली. रात से ही गांव पुलिस टुकड़ी बैठा दी गयी है, जो समय-समय पर वहां गश्त कर रही है. अभी मामले में किसी गिरफ्तारी की सूचना नहीं है.

तीन दुकानों में भयानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफारी

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (अंडाल): अंडाल रेलवे स्टेशन जाने वाले रोड में तीन दुकानों में भयानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफारी मच गई,

घटना में दुकान का सारा सामान जलकर खाक हो गई। घटना के संदर्भ में बताया जा रहा है कि शुक्रवार को देर रात दुकान में आग लगी है आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पा रहा है.

इस संदर्भ में स्थानीय लोगों ने बताया कि हमें देर रात पता चला है कि स्टेशन रोड पर दुकान में आग लगी है इसके बाद हम लोगों वहां पहुंचे और स्थानीय पुलिस केस की जानकारी दी इसके बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर आग बुझाई पर दुकान जलकर पूरी तरह खाक हो चुकी है, अब यह कितना का नुकसान हुआ है यह तभी पता नहीं चल पा रहा है मगर हजारों की नुकसान बताई जा रही है

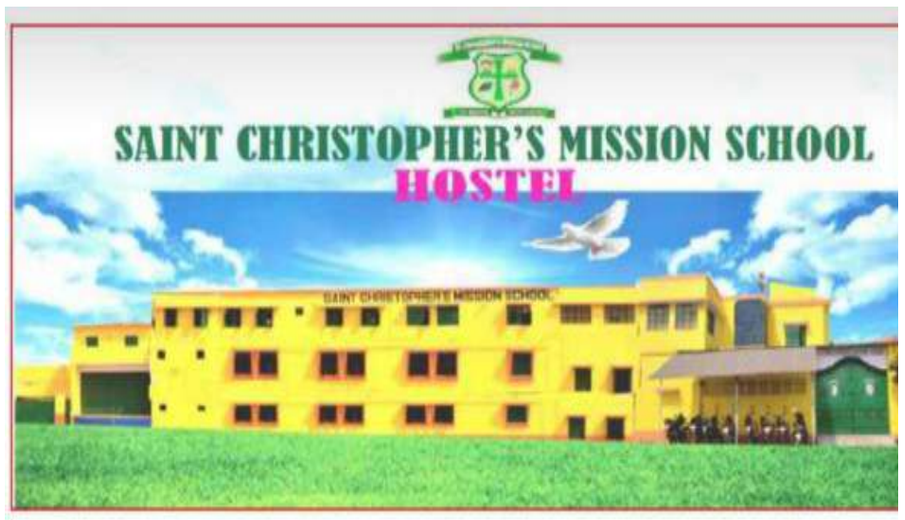

आईएसपी ने आरके मिशन के साथ मिलकर सेल खेल का आयोजन किया

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (बर्नपुर): खेल-कूद और अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए सेल-आईएसपी की सीएसआर पहल के तहत सेल-खेल-2025 का आयोजन किया गया। दिन की शुरुआत एक जोशपूर्ण माहौल में हुई, जब पोलो ग्राउंड से रामकृष्ण मिशन आश्रम, आसनसोल तक एक लघु मैराथन आयोजित की गई। इसमें आसनसोल उपखंड के विभिन्न संस्थानों के कुल 150 छात्रों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ पोलो ग्राउंड में सेल-आईएसपी, बर्नपुर के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। इन गणमान्य व्यक्तियों में कार्यकारी निदेशक (एचआर) उमेंद्र पाल सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवा एवं सीएसआर) विजेंद्र वीर, मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) जितेंद्र कुमार और आसनसोल नगर निगम के अध्यक्ष अमरनाथ चटर्जी शामिल थे। रामकृष्ण मिशन आश्रम, आसनसोल के सचिव स्वामी सोमात्मानंद भी अन्य संन्यासियों और आश्रम के प्रतिष्ठित सहयोगियों के साथ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

रामकृष्ण मिशन आश्रम, आसनसोल द्वारा आयोजित और सेल-आईएसपी, बर्नपुर द्वारा प्रायोजित सेल खेल-2025 का आधिकारिक उद्घाटन कार्यकारी निदेशक (एचआर) उमेंद्र पाल सिंह द्वारा किया गया।

इस मैराथन में 6 वर्ष से 70 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिन्हें मार्ग के किनारे खड़े उत्साही दर्शकों और राहगीरों ने भरपूर प्रोत्साहित किया। इसके बाद दिन में रामकृष्ण मिशन मैदान में एक एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें आसनसोल उपखंड के आठ विभिन्न तकनीकी संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। दिन का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें रामकृष्ण मिशन के संन्यासियों ने विभिन्न खेल आयोजनों के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

रोतिबाती हिंदी हाई स्कूल में साइकिल वितरण

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (अंडाल): सबूज साथी पश्चिम बंगाल सरकार की एक योजना है, जिसके तहत सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों और मदरसों में पढ़ने वाले कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों को साइकिल वितरित की जाती है। यह योजना सितम्बर 2015 में शुरू की गई थी। शनिवार 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रोतिबाती हिंदी हाई स्कूल में छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया।

रोटिबाती हिंदी हाई स्कूल के प्रधानअध्यापक कार्तिक माझी, विद्यालय संचालय कमेटी के सचिव गौतम मुखर्जी, प्रमोद नोनिया, शिक्षक मुनीर शमी, चंदन सिंह, दिनेश राम, अवधेश भगत, सीमा सिंह, शालिनी श्रीवास्तव, सीमा कुंडू, समीरण कुंडू, मुकेश झा, ममता राम, सुलेखा मिश्रा आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर क्लास १० के बच्चे को प्रशिक्षु शिक्षक बबिता कुमारी, दीपशिखा शर्मा, पूजा सिंह, शामली कुमारी, राहत जहाँ, नेहा कुमारी, निशा कुमारी, खुशबु कुमारी, पुष्पा कुमारी, पार्वती मिश्रा, मुस्कान शाव द्वारा सबुज साथी के तहत साइकिल वितरण किया गया।

शताक्षी महिला मंडल सातग्राम श्रीपुर क्षेत्र की ओर से महिला दिवस पर सामग्री का वितरण

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (पांडवेश्वर): शताक्षी महिला मंडल वेलफेयर एसोसिएशन, डिशरगढ़ ईसीएल ऑफिसर्स वाइव्स सोसायटी के अंतर्गत, "महिला दिवस केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि एक ऐसा अवसर है जब हम उन माताओं, बहनों, बेटियों और पत्नियों का सम्मान करते हैं, जो हमारे जीवन को सुंदर बनाती हैं, यह दिन नारी शक्ति का प्रतीक है, जो दुनिया को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, इन्हीं शब्दों के साथ सतग्राम श्रीपुर क्षेत्र के कोपेक्स कालोनी सभागार में महिला दिवस के अवसर पर 15 महिलाओं के बीच सामग्री का वितरण किया गया,

इस अवसर पर सातग्राम श्रीपुर क्षेत्र की शताक्षी महिला मंडल की अध्यक्षा अरुणा थोनूजा ने बताया कि ईसीएल शताक्षी महिला मंडल की अध्यक्षा किरण झा, उपाध्यक्षा जीरक आलम, संचिता रॉय, अनुभा सिन्हा के मार्गदर्शन और

दिशा निर्देश पर हमलोग अपनी सामाजिक दायित्व को पूरा करते है, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शताक्षी महिला मंडल सातग्राम श्रीपुर क्षेत्र की ओर नारी शक्ति को प्रणाम करते हुए चिन्हित 15 जरूरतमंद महिलाओं के बीच साड़ी, पेटीकोट, छाता, गमछा, नाश्ता पैकेट, वाटर बोतल और बैग का वितरण किया है,

इस अवसर पर शताक्षी महिला मंडल सातग्राम श्रीपुर क्षेत्र की मूनमून सरकार, सुनीता कुमार, डोना कुंडू, शर्मिला सिंह, केतकी कर, लेनिन सिंह, रूबी कुमार, कल्याणी गुप्ता, पूनम चौधरी, स्मिता डे, गौरी केवट, सदस्या उपस्थित थी,

आदिकर्ण ने महिला रेल कर्मियों को किया सम्मानित

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (नियामतपुर): आदिकर्ण फाउंडेशन के बैनर तले शनिवार सुबह सीतारामपुर रेलवे स्टेशन के 1 नम्बर प्लेटफार्म पर रेलवे महिला कर्मचारी सह स्थानीय महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पुष्प उपहार देकर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम के आयोजनकर्ता आदिकर्ण फाउंडेशन के चेयरमेन संतोष कुमार वर्मा ने कहा कि देश की प्रगति में महिलाओं का अमूल्य योगदान हैं। समाज के विकास में महिलाएं शिल्पकार की भूमिका निभा रही हैं। महिलाएं अधिवक्ता, रेलवे, बीएसएफ, पुलिस, चिकित्सक, इंजीनियर, पंचायत सदस्य, निगम सदस्य, विधायक, सांसद की भूमिका में देश के विकास में अपना योगदान दे रही हैं।

श्री वर्मा ने कहा नारी की पूजा हमारे भारतवर्ष में की जाती हैं। कन्या पूजा, मातृशक्ति की विभिन्न स्वरूप की पूजा की जाती हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भारत की महिलाओं के सफ़ल योगदान के लिये बहुत बहुत शुभकामनाएं बधाई देता हूँ। सभी को फूल पुष्प, मिठाई, उपहार देकर सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सीतारामपुर हेल्थ यूनिट की वरिष्ठ सिस्टर, सीतारामपुर गुप्ता मेडिकल के ओनर सह समाज सेवी संजय गुप्ता,समाज सेवी रूपा दास, सीतारामपुर स्टेशन मास्टर गौरव राऊत थे। महिलाओं की ओर से सीमा मंडल, रूमी, कृतिका, जया दास, नीतू कुमारी, श्रेया चक्रवर्ती, सृजा सरकार, लखी हासदा, सौमित्रा सोरेन, के साथ कई महिलाएं उपस्थित थी। आदिकर्ण फाउंडेशन के सदस्य काजल दास, कवि सिंह, उत्तम मंडल, डॉ अबरार अहमद थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर खुट्टाडीह कोलियरी में महिला कर्मियों का सम्मान

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (पांडवेश्वर): अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर खुटाडीह कोलियरी में एजेंट संदीप कुमार साहा की उपस्तिथि में महिला कर्मियों के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रबंधक डीके साहा, कार्मिक प्रबंधक समिक मजमुदार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित होकर कार्यरत महिला कर्मियों का स्वागत किया और नारी शक्ति का बखान किया,

एजेंट ने महिला कर्मियों को हाथ जोड़कर नारी शक्ति का बखान करते हुए कहा की नारी शक्ति के बिना सबकुछ अधूरा है और नारी में देवी दुर्गा का अंश होता है, नारी हमारी मां, बहन, बेटी और पत्नी की भूमिका में है, आज पुरुष प्रधान इस देश में हमारी नारी शक्ति हर क्षेत्र में अपनी उपयोगिता को दिखला रही है और पुरुषों से किसी भी विभाग में कम नहीं हैं, एजेंट ने आज के दिन नारी की रक्षा करने के साथ उनको सम्मान देने का संकल्प लेने का दिन बताया.

सड़क हादसे में छात्रा की मौत

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (पुरुलिया): बांदोयान-बड़ाबाजार राज्य राजमार्ग स्थित चंद्र धवानी के बीच शनिवार को स्कूल जाने के दौरान एक वाहन की चपेट में आने से पांचवीं कक्षा की एक छात्रा की दर्दनाक मौत हो गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार बंदोयान की ओर से तेज गति से आ रही एक चार पहिया वाहन ने दस वर्षीया एक बच्ची को टक्कर मार दी। इसके बाद कार सड़क के किनारे एक बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर के कारण छात्रा अपनी साइकिल से गिर गई थी। स्थानीय लोगों ने उसे इलाज के लिए बांदोयान ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्रों ने मृतक छात्रा की पहचान सावित्री महतो (10) के रूप में की है। वह बंदोयान के धवनी इलाके की रहने वाली थी। पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

चोरी हुई पचास हजार रुपये को बराकर पुलिस ने बरामद कर लौटाया

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (बराकर): स्टेशन रोड कल्याणेश्वरी मोड़ स्थित चायपत्ती का दूकान चलाने वाले सीताराम बरनवाल का पचास हजार रुपये चोरी हो गई थी, जिसे बराकर पुलिस की तत्परता से वापस पाया जा सका.

घटना के विषय में जानकारी मिली है कि शुक्रवार की संध्या सीताराम बरनवाल के दूकान से पचास हजार रुपये गायब हो गए. उन्हें इस बात की जानकारी तब हुई जब वह अपने बिक्री का हिसाब कर रहा था. जिसके बाद उसे मालूम हुआ कि इसमें पचास हजार रुपये कम है. तभी उसने तत्काल बराकर फाड़ी पहुँच कर

इसकी मौखिक शिकायत की.

शिकायत मिलने पर बराकर पुलिस हरकत में आई और बराकर फांड़ी प्रभारी सुकान्त दे के नेतृत्व में एएसआई सव्यसाची बनर्जी ने सीताराम बरनवाल के दूकान जाकर निरिक्षण किया, इसके साथ ही सीसीटीवी फुटेज खंघाले. जिसके माध्यम से पैसे गायब होने का खुलासा हुआ. सीसीटीवी में देखा गया कि आरा डंगाल का एक युवक शुक्रवार की दोपहर में उक्त दूकान से पैसे लेकर भाग गया. जिसके बाद पुलिस उक्त युवक के घर गई और पैसे बरामद कर लिया. हालाँकि युवक घर से भाग गया था, इसलिए उसे पकड़ा नहीं जा सका.

पुलिस सूत्रों के अनुसार दुकानदार सीताराम बरनवाल ने अपने दूकान को खुला छोड़ और एक ग्राहक द्वारा दिए गए पचास हजार रुपये को यूँ ही ऊपर में रखकर शौचालय चले गए थे, जिसका फायदा उठाते हुए आरोपी युवक पैसे लेकर चम्पत हो गया था.

इस मामले का उद्भेदन करने में बराकर फाड़ी के एसआई सुकांत दास और एएसआई सब्यसाची बंद्योपाध्याय ने काफी अहम भूमिका निभाई.

घर से दम्पति का शव बरामद

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (नियामतपुर): कुल्टी थाना के नियामतपुर फांड़ी अंतर्गत आलडीह गांव में एक घर से शनिवार की सुबह रूप कुमार बाउरी (40) और माला बाउरी (35) नामक एक दम्पति का शव बरामद किया गया।

कुल्टी थाना के नियामतपुर फाड़ी अंतर्गत आलडीह बाउरीपाड़ा में एक दुखद घटना प्रकाश में आया जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई, शनिवार सुबह एक बंद घर में पति-पत्नी की शव पाये जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूत्रों के अनुसार पति पत्नी की पहचान रवि बाउरी और माला बाउरी के रूप में हुई है। मृतकों के चार बेटियां हैं, जिनमें से एक की शादी हो चुकी है, जबकि बाकी तीन बेटियां माता-पिता के साथ रहती थी। शनिवार सुबह जब पड़ोसियों ने उनके घर से कोई हलचल नहीं सुनी

तो दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई आवाज नहीं मिला।

शक होने पर दरवाजा तोड़ा गया। पति का शव फांसी के फंदे से झूल रहा था और पत्नी रक्त से लथपथ ज़मीन पर पड़ी थी। इलाके के लोगों का कहना है कि रवि और माला ने कई लोगों से ऊंचे ब्याज दर पर कर्ज लिया था, जिसे चुकाने में वे असमर्थ थे। रोज़ उनके घर पर अलग-अलग लोग पैसे वसूलने आते थे। जिससे उनका मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा था। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। वहीं पुलिस द्वारा कहा गया कि आलड़ी बाउरी पड़ा में एक घर से पति रवि बाउरी ओर उसकी पत्नी माला बाउरी का शव बरामद किया गया दोनों को पोस्टमाडम हेतु शव को आसनसोल जिला अस्पताल भेज दिया गया हैं। वहीं घटना की जांच में पुलिस टीम जुट गईं हैं।

वहीं इस विषय में मृतक माला बाउरी का भाई शिवदास बाउरी ने कहा कि जो कि घटनास्थल के घर से कुछ दूरी पर उनका घर है घटना की जानकारी मिलते ही दीदी माला के घर गए देखा कि माला बाउरी का गला कटा हुआ था और जमीन में पड़ीं थी वहीं वही उनके जीजा रवि बाउरी शव का झूल रहा था।

इसकी जानकारी नियामतपुर फाड़ी पुलिस को दी गई पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले कर आसनसोल जिला अस्पताल भेज दिया गया। आगे उन्होंने बताया इंलोगो को काफी लोगों से कर्ज पर रुपए ले रखे थे, सुध खोरों से तंग आकर आत्महत्या का अनुमान लग रहा हैं।

वहीं स्थानीय वार्ड पार्षद के पिता हरिदाश बाउरी ने बताया कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहने के कारण परिवारिक कलहा हमेशा होता था. साथ ही उन्होंने बताया कि आपस के लोगों ने बताया कि काफी लोगों से लोन ले रखा था। आगे उन्होंने कहा कि पुलिस घटना की जांच कर रही हैं।

पूर्व रेलवे दो और होली स्पेशल ट्रेन चलाएगा

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (आसनसोल): आगामी होली के दौरान यात्रियों की अपेक्षित भीड़ को कम करने के लिए, पूर्व रेलवे ने दो और होली स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है, जो कोलकाता और लालकुआं तथा कोलकाता और कानपुर सेंट्रल के बीच चलेगी। ये विशेष ट्रेनें होली त्यौहार की अवधि के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए अतिरिक्त क्षमता और बेहतर सुविधा प्रदान करेंगी।

05060 लालकुआं-कोलकाता होली स्पेशल 13.03.2025, 20.03.2025 और 27.03.2025 (03 ट्रिप) को लालकुआं से 13:35 बजे रवाना होगी और अगले दिन 23:55 बजे कोलकाता पहुंचेगी। 05059 कोलकाता-लालकुआं होली स्पेशल ट्रेन दूसरे दिन अर्थात 15.03.2025,22.03.2025 और 29.03.2025 को कोलकाता से 05:00 बजे रवाना होगी और दूसरे दिन 15:45 बजे लालकुआं पहुंचेगी। यह ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर और जसीडीह स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में स्लीपर क्लास और वातानुकूलित श्रेणी की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। 04153 कानपुर सेंट्रल-कोलकाता होली स्पेशल 10.03.2025 और 31.03.2025 के बीच प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को कानपुर सेंट्रल से 14:00 बजे रवाना होगी (07 ट्रिप) और अगले दिन 07:50 बजे कोलकाता पहुंचेगी। 04154 कोलकाता-कानपुर सेंट्रल होली स्पेशल कोलकाता से 10:45 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन 11.03.2025 से 01.04.2025 के बीच प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को (07 ट्रिप) चलेगी और अगले दिन 04:30 बजे कानपुर सेंट्रल पहुँचेगी। यह ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के दुर्गापुर और आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में स्लीपर क्लास और वातानुकूलित श्रेणी की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

40 वर्षों से एक पुत्र अपने पिता का पैसा और नौकरी के लिए ईसीएल कार्यालयों का काट रहा चक्कर

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (नियामतपुर): मोहम्मद सद्दाम हुसैन अपने पिता के बकाया पैसे एवं नौकरी की मांग को लेकर परिवार सहित ईसीएल मुख्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन को मजबूर हुए थे, हालाँकि उक्त समय प्रबंधन द्वारा आश्वासन दिए जाने के बाद उन्होंने धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया था। इस सम्बन्ध में सद्दाम हुसैन ने बताया कि लगातार हमलोग ईसीएल प्रबंधन से सम्पर्क कर रहे है, हालाँकि सीजीआईटी और कोर्ट का आदेश भी हमारे पक्ष में आ चुका है, इसके बावजूद भी प्रबंधनद्वारा कोई सकारात्मक कार्यवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि विगत 40 वर्षों से वे ईसीएल मुख्यालय समेत विभिन्न कार्यालयों का चक्कर काट रहे है, लेकिन अभी तक प्रबंधन द्वारा उनके मामले पर टाल- मटोल ही किया जा रहा है। सद्दाम ने कहा है कि जब तक प्रबंधन उनका हिसाब नहीं कर देता, तब तक उनका आंदोलन यूँ ही चलता रहेगा।

इस बारे में विस्तार से बताते हुए सद्दाम हुसैन ने कहा कि वर्ष 1975-76 में उनके पिता इकबाल हुसैन ईसीएल के सोदपुर एरिया अंतर्गत 9/10 नंबर कोलियरी में कैजुअल वैगन लोडर के पद पर कार्यरत थे. परन्तु वर्ष 1976 में प्रबंधन ने 71 मजदूरों को निलंबित कर दिया था। जिसमे उनके पिता भी शामिल थे। इस मामले में प्रबंधन से वार्ता होती रही और 1 वर्ष गुजर गया। तत्पश्चात मामले से आसनसोल के रिजनल लेबर कमिश्नर को अवगत कराया गया, जहां से उनके पक्ष में आदेश आया और प्रबंधन को 1 साल के भीतर पुन: नौकरी देने की व्यवस्था करने का आदेश दिया गया। हालाँकि प्रबंधन द्वारा उनके आदेश को भी नहीं माना गया, जिसके बाद सभी लोगों ने सेंट्रल गवर्नमेंट इंडस्ट्रियल ट्रिब्यूनल में मामला दर्ज करवाया. जहां से 18 लोगों को जॉइनिंग का आदेश दिया गया। वहीं बाकी 53 लोगों को छोड़ दिया गया।

हालाँकि फिर से मामले को ले जाने पर वर्ष 1984 में बाकी 53 को भी नौकरी दिए जाने का आदेश पारित हुआ, इसके बवजूद प्रबंधन चुप्पी साधे रहा। तत्पश्चत वर्ष 1990 में इस मामले के तहत प्रबंधन ने कोलकाता हाईकोर्ट में अपील की। वर्ष 1996 में हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने प्रबंधन की अपील को खारिज कर दिया। इसके बाद प्रबंधन ने डबल बेंच में मामले को रखा। डबल बेंच ने प्रबंधन की इस अपील को वर्ष 1999 में ख़ारिज कर दिया। उसके बाद प्रबंधन द्वारा वर्ष 1999 में इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई। हालाँकि सुप्रीम कोर्ट ने भी वर्ष 2000 में उनकी इस अपील को खारिज कर दिया। वर्ष 2000 से 2008 तक प्रबंधन के साथ निपटारे को लेकर संपर्क होता रहा, पर बात नहीं बनने पर फिर सीजीआईटी में नियोजन को लागू करने हेतु आवेदन दिया गया। जिसमे आदेश हुआ कि 1984 से लेकर सेवानिवृत्ति तक सभी लोग ब्याज के साथ पेमेंट के हकदार हैं। सीजीआईटी कोर्ट ने डाटा कंप्यूटेशन नहीं होने के कारण अपील को खारिज करते हुए डाटा कंप्यूटेशन के साथ आवेदन का अधिकार दिया। वेतन के मामले में 13 मई 1984 से गिनती करने का आदेश मिला लेकिन कोर्ट वैकेंट रहने के कारण फिलहाल अभी तक पुनः आवेदन नहीं किया जा सका।

इसी बीच इकबाल हुसैन की वर्ष 2008 में मृत्यु हो गई। ईसीएल के कार्मिक प्रबंधक मंजूर आलम ने कहा कि सभी जगहों से केस हार चुका है। नौकरी पाना तो दूर की बात, उसे कुछ भी हासिल नहीं होगा।

आज का राशिफल

09 मार्च 2025
रविवार

कोलफील्ड मिरर

मेष

दिन उत्तम रहेगा. समाजिक व पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. व्यापार उन्नति करेगा. काम के सिलेसिले में यात्रा पर जाना हो सकता है. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी. सेहत ठीक रहेगा. जीवनसाथी के साथ सम्बन्ध मजबूत बनेगे.

वृषभ

दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार में शांति रहेगी. धार्मिक कार्य में शामिल हो सकते हैं. कामकाज बढ़ेगा. आर्थिक मामलों में प्रगति होगी. घूमने का प्लान बन सकता है. सेहत के प्रति सचेत रहना होगा. आप मेहनत करें, सफलता मिलेगी.

मिथुन

दिन मध्यम रहेगा. बिजनेस ठीक चलेगा. किसी खास से आपकी मुलाकात हो सकती है. जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. कहीं बाहर जा सकते है. कानूनी मसले में फंस सकते है. स्वास्थ्य पर ध्यान रखें. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी.

कर्क

दिन बढ़िया रहेगा. धार्मिक कार्य में जा सकते हैं. सेहत के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है. व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी. करियर से संबंधित फैसले लेने में जल्दबाजी करने से बचें. सुख-सुविधा में वृद्धि होगी. आर्थिक सुधार हो सकेगा.

सिंह

दिन अनुकूल रहेगा. सेहत कमजोर रह सकती है. रहेगी. जंक फूड व बाहर की चीजों के सेवन से परहेज करें. कामकाज बढ़िया रहेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. नौकरी की तलाश कर रहे लोगो को अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है.

कन्या

दिन शानदार रहेगा. राजनीति में पद्प्रतिष्ठ हासिल हो सकती है. छात्रों को पढ़ाई में ध्यान देना होगा. वाहन खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है. कोई भी निर्णय सोच-समझ लें. सेहत ठीक ठाक रहेगी. कारोबारिक मामले में सफल रहेगे.

तुला

दिन ठीक- ठाक है. परिवार के साथ समय बिताएंगे. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी. धन सम्मान, यश में वृद्धि होगी. व्यापारी वर्ग उधार में सौदा करने से बचे. दिनचर्या व्यस्त रह सकती है. भावनाओं पर नियंत्रण रखें. मन प्रसन्न रहेगा.

वृश्चिक

दिन अच्छा रहेगा. समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा. धन, पद, प्रतिष्ठा की दिशा में प्रगति मिलेगी. काम बढ़िया रहेगा. अविवाहितों के लिए विवाह के रिश्ते आ सकते हैं. शेयर में सोच-समझ कर पैसा लगाए. परिवारिक सहयोग मिलेगा.

धनु

दिन शानदार रहेगा. बिजनेस अच्छा चलेगा. फरेबी लोगों से बचकर रहे. घर में विवाद की आशंका है. महत्वपूर्ण मुद्दों पर मिलजुल कर बातचीत से सुलझाने का प्रयास करें. दिनचर्या में बदलाव करे. आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी.

मकर

दिन मिलाजुला रहेगा. कामकाज ठीक रहेगा. कहीं से कोई उपहार मिल सकता है. पार्टनर से मनमुटाव हो सकता है. मौसम में ठंडक बढ़ रही है. खाने पीने पर ध्यान दे. अधिक आत्मविश्वास से बचना होगा. जीवनसाथी का साथ मिलेगा.

कुंभ

दिन मध्यम रहेगा. नौकरी में कुछ दिक्कतें आ सकती है. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. परिवार के विवाद में बोलने से बचना चाहिए. सहयोगियों से वार्तालाप करते समय विनम्रता रखे. सेहत के प्रति सावधान रहें. पैसे का लेन-देन में सावधानी बरते.

मीन

दिन मिलाजुला रहेगा. पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर रहेगा. परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है. घर में अधिक रहने की सलाह दी जाती है. सेहत का ध्यान रखें. आजीविका में नये रास्ते खोजने होंगे. वाद विवाद से बचना होगा.

नेशनल लोक अदालत में एक अरब 51 करोड 70 लाख 36 हजार 833 रूपए की रिकवरी

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): नालसा के निर्देश पर वर्ष 25 के पहले नेशनल लोक अदालत मे एक अरब 51 करोड 70 लाख 36 हजार 833 रूपए की रिकवरी कर कुल तीन लाख 41 हजार 440 विवादों का निपटारा कर दिया गया। वहीं दुर्घटना में पति की मौत के बाद बेसहारा हुई सागर देवी को डालसा ने एक करोड 42 लाख 60 हजार रूपए का मुआवजा का चेक मौके पर भुगतान कराया. चेक मिलने के बाद सागर देवी काफी भावुक हो गईं और कहा कि डालसा ने उन्हें एक नया जीवन दिया है इसके पूर्व नेशनल लोक अदालत का उद्घाटन शनिवार को रांची झालसा से ऑनलाइन न्यायमूर्ती सुजित नारायण प्रसाद ने किया वहीं। धनबाद मे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा के चेयरमैन वीरेंद्र कुमार तिवारी, उपायुक्त सह डालसा के भाईस चेयरमैन माधवी मिश्रा ने किया।

इस मौके पर न्यायाधीश श्री तिवारी ने कहा कि नेशनल लोक अदालत संविधान के परिकल्पना को पूरी करने के दिशा में एक कदम है, नवम्बर 2013 से पूरे देश में नेशनल लोक अदालत का आयोजन हर तीन माह मे किया जा रहा है। हमारा संविधान हर लोगों को सामाजीक, आर्थिक एवं सस्ता सुलभ न्याय की गारंटी देता है। उपायुक्त धनबाद माधवी मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत आम आदमी के हित के लिये लगाये जाते हैं। बिना प्रशासनिक सहयोग के हम समाज तक न्याय नहीं पहुंचा सकते। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सहाय ने कहा कि। लोक अदालत में महीनों कोर्ट का चक्कर लगाने और पैसे की बर्बादी से बचा जा सकता है। इससे लोगों को मानसिक शांति भी मिलती है. साथ ही प्रेम और सौहार्द आपस में फिर से बन जाता है। सिटी एसपी अजीत कुमार ने कहा कि लोगों मे प्रेम, शाति, समृद्धि और समरसता बनी रहे यही इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य है! अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश रोशन ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से व्यापक पैमाने पर मुकदमों का निष्पादन किया जा रहा है। जिसमें समय की बचत के साथ-साथ वादकारियों को विभिन्न कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिल रही है,

अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश रोशन ने बताया कि विवादों एवं मुकदमो के निपटारे के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आदेश पर 14 बेंच का गठन किया गया था है जिनके द्वारा विभिन्न तरह के सुलहनीय विवादों का निपटारा कर 3 लाख 41 हजार 440 विभिन्न तरह के विवादों का निपटारा कर दिया गया जिसमें 3 लाख 8 हजार 938 प्रिरलेटिगेशन मामले ,जबकी 32 हजार 502 विभिन्न तरह के लंबित मुकदमे निष्पादित किए गए.

जिसमे कुल एक अरब 51 करोड़ 70 लाख 36 हजार 833 रुपए की रिकवरी भी की गई। मौके पर ही मोटर यान दुर्घटना दावा से संबंधित एक मामले में सागरदेवी को 1करोड 42 लाख 60 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया सागर देवी के पति की मौत सड़क दुर्घटना में हो गई थी वहीं 4 बच्चों को जिनके माता पिता नहीं थे उन्हें स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़कर उन्हें पढ़ाई लिखाई के लिए मिलने वाली चार हजार रुपये की राशि का चेक प्रदान किया गया. उन्होंने सभी वादकारी, न्यायिक पदाधिकारियों विभाग के अधिकारियों एवं बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं का सहयोग के लिए आभार प्रकट किया।

न्यायिक पदाधिकारियों में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय टी. हसन, एस एन मिश्रा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी, रजनीकांतपाठक, कुलदीप, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, आरती माला, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी, सिविल जज आइ ज़ेड खान, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पाण्डेय, रेलवे के न्यायिक दंडाधिकारी मनोज कुमार, ऋषि कुमार, स्थायी लोक अदालत के चेयरमैन पीयूष कुमार, सर्टिफिकेट आफिसर आरएन ठाकुर, स्टेट बैंक के रिजनल मैनेजर निर्मल कुमार, डिप्टी जीएम विकास रंजन पटनायक बैंक ऑफ़ इण्डिया पवन कुमार भारती डिप्टी जोनल हेड यूको बैंक, कंज्यूमर फोरम की सदस्या शिप्रा डालसा के पैनल अधिवक्ता, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के टीम, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेटियों को प्रसिद्धि अर्जित करने के लिए उनके हौसले को दें उड़ान- उपायुक्त

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): बेटियों को प्रसिद्धि अर्जित करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए हर माता-पिता को उनके हौसले को उड़ान देनी चाहिए। समाज में यह गलत धारणा है कि बेटा ही परिवार का सहयोग करेंगे। जबकि वर्तमान परिस्थितियों में देखा गया है कि बेटियां अपनी कड़ी मेहनत और लगन से आर्थिक रूप से सक्षम बन रही है। मुसीबत में माता पिता और परिवार का सहारा बन रही है।

यह बातें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला समाज कल्याण शाखा द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को लेकर आयोजित समारोह में बतौर मुख्या अतिथि कही।

उपायुक्त ने कहा कि समाज में बेटियों के प्रति इस सोच में परिवर्तन लाना है। माता-पिता अपनी बेटियों को उचित मार्गदर्शन दें। आगे बढ़ने के लिए सहयोग करें। उन्हें अच्छी शिक्षा दें। शिक्षा ही बेटियों को इस दुष्चक्र से बाहर निकालेगी। उपायुक्त ने सभी बेटियों को जीवन में अपना लक्ष्य पाने के लिए कड़ी मेहनत करने, पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उपायुक्त ने महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र होगी तो वे आत्मनिर्भर बनेगी। परिवार और समाज में उनकी कद्र होगी।

समारोह को संबोधित करते हुए जिला परिषद की माननीय अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि महिलाएं अपने को कभी कमजोर नहीं समझे। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरुआत स्वयं अपने घर से करें। बेटियों को मजबूत बनाएं। बेटियों के माध्यम से अपने अधूरे सपने पूरा करें।

इस अवसर पर सिटी एसपी अजीत कुमार ने महिलाओं को निडर बनने, आत्मविश्वास बढ़ाने, अपनी शक्ति को पहचानने और वैचारिक रूप से श्रेष्ठ समझने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त, सिटी एसपी, जिला परिषद की माननीय अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष, अपर नगर आयुक्त सहित अन्य अतिथियों को मोमेंटो एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में समर्पित कला मंच के कलाकारों ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर बहुत ही मार्मिक नाटक पेश किया। निर्देशक हारून रशीद के निर्देशन में एसएम मेहंदी, सेराज खान, रेशमा बानो, सुनीला कुमारी, मो अफरीदी, सना परवीन, मो शाहिद व पंकज मिश्रा ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया।

वहीं 16 सेविका एवं 15 महिला पर्यवेक्षिका को सम्मानित किया गया। मैट्रिक और इंटर परीक्षा में श्रेष्ठ अंक लाने वाली 6 टॉपर बालिका को सम्मानित किया गया। 6 नवजात शिशुओं की माताओं के बीच पालना का वितरण किया गया। 4 शिशुओं को अन्नप्रासन कराया गया। 4 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई। एक होनहार खिलाड़ी को खेल किट दी गई।

समारोह में जिला परिषद की उपाध्यक्ष सरिता देवी, अपर नगर आयुक्त कमलेश्वर नारायण, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम, महिला थाना धनबाद की प्रभारी मीनू कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, अधिवक्ता लोपा मुद्रा, बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी के अलावा बड़ी संख्या में सीडीपीओ, सेविका, महिला पर्यवेक्षिका उपस्थित थी।

सीएफएम संक्षिप्त

हेमंत सोरेन सरकार ने महिलाओं को बड़ी सौगात दी

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): राँची/ झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। मंईयां सम्मान योजना की 3 महीने की राशि खातों में हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस योजना के तहत इस महीने में 38 से 40 लाख महिलाओं को राशि भेजी जा रही है।

स्टेशनों की कमान महिला रेल कर्मियों द्वारा संभाली गई

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर धनबाद मंडल द्वारा विशेष तैयारी की गई। आज के दिन धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों के बुकिंग कार्यालय, टिकट चेकिंग से लेकर सुरक्षा की व्यवस्था एवं ट्रेनों के परिचालन तक की बागडोर महिलाएं द्वारा संभाली गई।

चोरी की एक मोटर साइकिल बरामद

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): राँची पुलिस ने चूटिया थाना कांड संख्या 262/24 के अप्राथमिकी अभियुक्त मोहम्मद गुड्डू उर्फ मांगरा को चोरी के आरोप में हिंदपीढ़ी मालि टोला चौक के पास से गिरफ्तार किया गया है तथा उसके निशानदेही पर चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

ओवर ब्रिज का निर्माण जल्द से जल्द करने की माँग

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): धनबाद पब्लिक स्कूल हीरक ब्रांच और नेहरू बाल एकेडमी एवं बीबीएमएयू के बीच में गौतम कुमार मंडल संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स का माँग है की यहाँ एक ओवर ब्रिज का निर्माण जल्द से जल्द करने का माँग करता हूँ।

ईडी टीम ने प्रमोद सिंह के धनबाद स्थित आवास की तलाशी ली

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): ईडी की टीम राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन घोटाले के आरोपित प्रमोद सिंह के धनबाद स्थित आवास पर पहुंची। ईडी की टीम ने करीब 10 घंटे तक उसके घर में तलाशी ली। प्रमोद सिंह को ईडी ने इसी साल फरवरी महीने में गिरफ्तार किया था। प्रमोद सिंह पर एनएचआरएम की 9.50 करोड़ रुपये की राशि के घोटाले का आरोप है।

आज भी महिला सुरक्षित नहीं है- शहजादी खातून

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर खपड़ा धौड़ा लोदना में महिला दिवस मनाया गया, वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन के महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में शहजादी खातून थे. महिला मोर्चा के सहजादी खातून ने कहा आज भी महिला सुरक्षित नहीं है घरेलू हिंसा तथा सड़क पर भी मनचलों का अक्सर शिकार हो रही है, महिलाए कोर्ट का चक्कर काटते रहते हैं आज भी महिला का कोई सुनवाई नहीं होता है आए दिन बलात्कार हत्या लूट का मामला अखबार में देखने को मिलता है प्रशासन और थाने में भी कोई सुनवाई नहीं होता है महिला दिवस पर झारखंड सरकार ने जो मैया सम्मान योजना का तोहफा दिया है महिला मोर्चा के शहजादी खातून ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तथा कल्पना सोरेन को इसके लिए बहुत-बहुत बधाई दिया और वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन के महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष रेखा कुमारी ने अध्यक्षता किया। मौके पर सुनीता कुमारी गिरिजा देवी रीता देवी रीना देवी ममता देवी मुरैना खातून मंजू देवी कोसर जहां फातिमा खातून माया देवी रीता देवी गीत देवी गिरिजा देवी, वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष शमीम शाह शामिल थे।

अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के रोकथाम लिए समन्वय समिति क़ी बैठक संपन्न

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): बलियापुर, अंचल कार्यालय में जिला खनन टास्क फ़ोर्स क़ी बैठक में लिये गये निर्णय के अलोक में अंचल अधिकारी बलियापुर प्रवीण कुमार सिंह की अध्यक्षता में खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के रोकथाम के लिए बलियापुर, अंचल कार्यालय में अंचल स्तरीय समन्वय समिति क़ी बैठक संपन्न हुई, जिसमे खनिजो के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के रोकथाम के लिए बहुत से अहम् फैसले लिए गये। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि गोल्डन पहाड़ी गोकुल पथ बिल थोड़ा एवं सुरंगा एरिया में किए जा रहे डंप के कारण वहां रह रहे निवासियों को संकट का सामना करना पड़ रहा है, इससे कभी भी हादसा हो सकता है। इसके लिए बीसीसीएल प्रबंधन को निर्देशित किया गया है कि अभिलंब एक सर्वे रिपोर्ट अंचल अधिकारी को सौंपेंगे जिसमें कितने परिवार उसे क्षेत्र में प्रभावित हो रहे हैं इसकी सूची होगी। बीसीसीएल प्रबंधन ने चार दिनों के अंदर सूची सौंपने की बात कही है। बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा बताया गया कि पहाड़ीगोड़ा के इलाके में अवैध उत्खनन की सूचना है इस पर सीआईएसफ बीसीसीएल थाना एवं अंचल की संयुक्त टीम जांच करेगी। बैठक में कुछ ऐसे मामले सामने आए जो झरिया अंचल से संबंधित है इसके लिए बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि एक संयुक्त बैठक झरिया और बलियापुर अंचल क्षेत्र की की जाएगी जिसमें सारी समस्याओं को सूचीबद्ध कर अग्रेत्तर कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में मुख्य रूप से क्षेत्रीय महाप्रबंधक बीसीसीएल (लोदना, बस्ताकोला), समादेष्टा, सी.आई.एस. एफ, बलियापुर, प्रक्षेत्र, थाना प्रभारी (बलियापुर, तीसरा) एवं अलकडीहा ओ पी प्रभारी, उपस्थित थे।

रेल परिचालन सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महिला रेलकर्मियों की रही उत्कृष्ट भागीदारी

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): हाजीपुर/ महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पूर्व मध्य रेल द्वारा आज कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। रेल परिचालन सहित यात्री सुरक्षा, सेवा सहित अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महिलाओं की उत्कृष्ट भागीदारी रही जो न केवल महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पूरी दक्षता और समर्पण के साथ कार्य कर सकती हैं। इस विशेष अवसर पर महिलाओं की भूमिका को प्रोत्साहित करने और उनकी कार्यक्षमता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से पूर्व मध्य रेल के कई स्टेशनों पर महिला रेलकर्मियों ने विभिन्न जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

समस्तीपुर स्टेशन से प्रस्थान करने वाली गाड़ी संख्या 13226 जयनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस का परिचालन महिला लोको पायलट कंचन कुमारी तथा सहायक लोको पायलट अर्चना रानी द्वारा किया गया। इस ट्रेन ट्रेन मैनेजर के कार्य को भी महिला गार्ड द्वारा निभाया गया। टिकट जांच का कार्य महिला टीटीई सरिता कुमारी द्वारा किया गया, जो रेलवे में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। मंडल के अन्य स्टेशनों पर भी महिला टिकट जांच कर्मियों ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए यात्रियों के टिकटों की जांच की। समस्तीपुर स्टेशन पर आरक्षण कार्यालय एवं अनारक्षित टिकट काउंटर में भी सभी कार्य महिला रेलकर्मी द्वारा किया गया। महिला सुरक्षा के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को सशक्त करते हुए, रेल सुरक्षा बल की महिला पुलिस कर्मियों ने समस्तीपुर स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और महिला यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महिला सफाई कर्मियों ने समस्तीपुर स्टेशन पर साफ सफाई का जिम्मा संभाला तथा अपनी दक्षतापूर्ण सफाई स यात्रियों को एक खुशनुमा अनुभव दिया।

दानापुर मंडल के पटना जंक्शन जैसे बड़े यार्ड का संचालन महिला रेल कर्मचारियों द्वारा संचालित किया गया। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दानापुर मंडल के महिला (क्रू- मेंबरों) रिचा कुमारी/ लोको पायलट, टिंकी कुमारी, सहायक लोको पायलट, तथा मनीषा कुमारी/ ट्रेन मैनेजर (गार्ड) द्वारा गाड़ी सं. 63326 पटना-इस्लामपुर मेमु ट्रेन का परिचालन किया गया।

इसी क्रम में धनबाद स्टेशन को आज दिनांक पूर्णतया नारी शक्ति द्वारा संचालित किया गया। धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों के बुकिंग कार्यालय, टिकट चेकिंग से लेकर सुरक्षा की व्यवस्था एवं ट्रेनों के परिचालन तक की बागडोर महिला रेलकर्मियों द्वारा संभाली गई। सिन्द्री टाउन पैसेंजर (53334) का संचालन धनबाद से सिन्द्री टाउन के मध्य पूर्णतः महिला रेलकर्मियों द्वारा किया गया ।

वहीं पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा आरक्षण कार्यालय/ डीडीयू मे महिला कर्मचारी द्वारा सफलतापूर्वक सभी कार्यों का निष्पादन किया गया। मंडल में ''अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस'' के अवसर पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला रेल कर्मचारियों द्वारा अन्य कार्यों का भी निष्पादन किया कुशलतापूर्वक किया गया।

सोनपुर मंडल में भी महिला रेल कर्मियों ने अपने-अपने कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट भागीदारी का प्रदर्शन किया।

महिलाओं को उनके अधिकार के प्रति जागरूकता बढ़ाने की जरूरत

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): महिला दिवस के उपलक्ष्य पर नारी सशक्तिकरण पर बल देते हुए सभी महिलाओं कों समाजसेवी उदय प्रताप सिंह ने बधाई दिया और कहा कि आज महिला किसी से कम नहीं हैं समस्त क्षेत्रों में महिलाओं की सशक्त भागीदारी बढ़ती जा रही है। श्री सिंह ने कहा कि महिला समाज की आधार स्तंभ है महिलाओं के बिना समाज की परिकल्पना करना भी अधूरी है कहा कि महिला दिवस का उद्देश्य केवल महिलाओं को सम्मान देना ही नहीं बल्कि समाज में उनके अधिकारों को स्थापित करना और लैंगिक भेदभाव को समाप्त करना भी है। ग्रामीण एवं गृहिणी महिलाओं को उनके अधिकार के प्रति और जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी होकर उत्कृष्ट कार्य कर रही है और राज्य और देश का नाम पूरे विश्व में रोशन कर रही है। और हम विकासशील देश से विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं।

हजारीबाग में अपराधियों का तहलका

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): हजारीबाग में आज भोरे-भोर तहलका मच गया। यहां अज्ञात अपराधियों ने एनटीपीसी के एक पदाधिकारी को गाड़ी में ही गोली मार दी। 3 राउंड फायरिंग की गई। आनन-फानन में लहूलुहान अधिकारी को आरोग्यम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारी की पहचान कुमार गौरव के रूप में हुई। वे केरेडारी में डीजीएम डिस्पैच के रूप में कार्यरत थे। इस दुस्साहसिक वारदात को हजारीबाग के कटकमदाग थाना क्षेत्र के फतहा के पास अंजाम दिया गया। खबर पाकर पुलिस प्रशासन और एनटीपीसी के कई आलाधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। जांच जारी है। वहीं खबर है कि वारदात के समय गाड़ी में तीन लोग सवार थे।

नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): झारखंड समाज कल्याण समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के अवसर पर पखवारा सप्ताह के प्रथम दिन भारत के प्रथम चिकित्सक आनंदी बाई जोशी के स्मृति में धनबाद सदर अस्पताल के महिला चिकित्सक स्नेहा केशरी वरीय व एनम (नर्स) अंजना घटक, को समिति के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक उमा चरण रजवार ने आनंदी बाई जोशी नारी शक्ति सम्मान तथा भारत की प्रथम महिला आईएएस अधिकारी अन्ना राजम मल्होत्रा के स्मृति में धनबाद महिला थाना की थाना प्रभारी मीनू कुमारी को अन्ना राजम नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया इस अवसर पर सदर अस्पताल के सुप्रिडेंट राज कुमार व झासकस के वरीय उपाध्यक्ष अधिवक्ता संजय कुमार तिवारी, महासचिव मौजूद थे। दूसरे चरण में 11 मार्च को धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर को सम्मानित किया जाएगा।

माँ डाइग्नोस्टिक सेन्टर में की गई छापेमारी, पीएनडीटी नियमों का पाया गया उलंघन

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार गठित जिला स्तरीय पीसी एंड पीएनडीटी जांच टीम द्वारा धनबाद जिला अंतर्गत बलियापुर स्थित माँ हॉस्पिटल के माँ डाइग्नोस्टिक सेन्टर में औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान पीसी एंड पीएनडीटी टीम द्वारा माँ डाइग्नोस्टिक के अल्ट्रा साउंड सेन्टर में अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा अल्ट्रासाउंड करते पकड़ा गया, जो कि पीसी एंड पीएनडीटी के नियम का उलंघन है। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सिविल सर्जन एवं उपायुक्त द्वारा गठित पीसी एंड पीएनडीटी टीम द्वारा उस सेंटर और यूएसजी मशीन को सील कर दिया गया। उपायुक्त द्वारा गठित टीम में कार्यपालक दंडाधिकारी रविन्द्र नाथ ठाकुर, सहायक नोडल पीसी एंड पीएनडीटी डॉ विकास कुमार राणा, डॉ सुनील कुमार, डॉ राकेश ईन्दर सिंह, डॉ सैम्स तबरेज आलम, एवं एनजीओ से नीता सिन्हा मौजूद थें।

भारतीय रेल में महिला कर्मचारियों की संख्या 8.2% से अधिक

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): 12 लाख 30 हजार से अधिक कर्मचारियों के साथ भारतीय रेल विश्व की सबसे बड़ी नियोक्ताओं में से एक है। इन कर्मचारियों में 1 लाख 13 हजार से अधिक महिला कर्मचारी हैं। भारतीय रेलवे महिला कर्मचारियों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रोत्साहन से महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। महिलाओं ने रेलवे के चुनौती पूर्ण कार्यों को भी अंगीकार किया है। हाल के वर्षों में रेलवे के लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर और रेल सुरक्षा बल में महिलाओं की संख्या तेजी से बड़ी है। 2014 में रेलवे में महिला कर्मचारियों की संख्या 6.6 प्रतिशत थी जो वर्ष 2024 तक में बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई है। वर्तमान में 2,162 लोको पायलट भारतीय रेल में सेवा दे रहीं हैं। इसके साथ ही 794 महिला ट्रेन मैनेजर (गार्ड) कार्यरत हैं। वर्तमान में 1699 महिला स्टेशन मास्टर भारतीय रेल के विभिन्न स्टेशनों में नियुक्त हैं। 12362 महिलाएं कार्यालय कर्मयोगी के रूप में कार्यरत है जबकि 2360 महिला सुपर वाइजर और 7756 महिला ट्रैकमैन नियुक्त हैं। भारतीय रेल की टीटी/सीसी के पद पर 4446 महिलाएं राष्ट्र सेवा कर रहीं हैं। देश के विभिन्न स्टेशनों पर 4430 महिलाएं 'पॉइंट्स मैन' के पद पर कार्यरत हैं। महाराष्ट्र के माटुंगा रेलवे स्टेशन व न्यू अमरावती स्टेशन, अजनी और राजस्थान के गांधीनगर रेलवे स्टेशन पूर्णतः महिलाओं द्वारा संचालित किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ ने विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित किया कार्यक्रम

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ(बीएमएस) के बैनर तले पूर्व धोषित कार्यक्रम के तहत शनिवार को बीसीसीएल के समस्त क्षेत्रों में धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों/प्रभारियों अपने -अपने प्रभार क्षेत्र में क्षेत्रीय अध्यक्ष/ सचिवों एवं बीएमएस के कार्यकर्ताओ की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का कार्यक्रम किया गया जिसमें नारी शक्ति माताओं/ बहनों को पुष्पगुच्छ, मिठाई, अँगवस्त्र देकर सम्मानित कर इनके मनोबल को बढ़ाया गया और संगठन की ओर से नारी सशक्तिकरण पर बल दिया गया, क्योंकि महिला समाज की आधार स्तंभ है महिलाओं के बिना समाज की परिकल्पना करना भी अधूरी है। आज महिला हर क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज की हुई है। हर दिन महिला दिवस होनी चाहिए। बीएमएस आने वाले दिनों में महिला सशक्तिकरण हेतु बृहद पैमाने पर कार्यक्रम करेगा।वहीं बीसीसीएल के सीभी क्षेत्र में धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मुरारी तांती, अखिल भारतीय खदान मज़दूर संघ के मंत्री के के सिंह, महामंत्री उमेश कुमार सिंह की विशेष उपस्थिती में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमे क्षेत्रीय प्रभारी क्षेत्रीय/ शाखा पदाधिकारियो की उपस्थिति हुई।

अखिल भारतीय खदान मज़दूर संघ के मंत्री के के सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कई देशों में राष्ट्रीय अवकाश होता है। चीन में राज्य परिषद की सलाह के अनुसार, कई महिलाओं को आधे दिन की छुट्टी दी जाती है। दुनिया भर में हज़ारों कार्यक्रम होते हैं, जिनमें मार्च, वार्ता, संगीत कार्यक्रम, प्रदर्शनियां आदि शामिल हैं महिलाओं का उत्थान पुरुषों के पतन के बारे में नहीं है। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में हर कोई भूमिका निभा सकता है। लैंगिक संतुलन केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है, बल्कि एक आर्थिक मुद्दा भी है महिला दिवस का उद्देश्य केवल महिलाओं को सम्मान देना ही नहीं, बल्कि समाज में उनके अधिकारों को स्थापित करना और लैंगिक भेदभाव को समाप्त करना भी है।

संघ के अध्यक्ष मुरारी तांती ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस प्रतिवर्ष, 8 मार्च को विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्रेम प्रकट करते हुए, महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों एवं कठिनाइयों की सापेक्षता के उपलक्ष्य में उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा चयनित राजनीतिक और मानव अधिकार विषयवस्तु के साथ महिलाओं के राजनीतिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए मनाया जाता हैं। कुछ लोग बैंगनी रंग के रिबन पहनकर इस दिन का जश्न मनाते हैं।

संघ के महामंत्री उमेश कुमार सिंह ने कहा कि सबसे पहला दिवस, न्यूयॉर्क नगर में 1909 में एक समाजवादी राजनीतिक कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया था। 1917 में सोवियत संघ ने इस दिन को एक राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया, और यह आसपास के अन्य देशों में फैल गया। इसे अब कई पूर्वी देशों में भी मनाया जाता है।प्रसिद्ध जर्मन एक्टिविस्ट क्लारा ज़ेटकिन के जोरदार प्रयासों के बदौलत इंटरनेशनल सोशलिस्ट कांग्रेस ने साल 1910 में महिला दिवस के अंतर्राष्ट्रीय स्वकरूप और इस दिन पब्लिक हॉलीडे को सहमति दी। इसके फलस्वसरूप 19 मार्च, 1911 को पहला आईडब्ल्यूडी ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और जर्मनी में आयोजित किया गया। हालांकि महिला दिवस की तारीख को साल 1921 में बदलकर 8 मार्च कर दिया गया। तब से महिला दिवस पूरी दुनिया में 8 मार्च को ही मनाया जाता है।

आयुष फाउंडेशन धनबाद द्वारा सर्वाइकल कैंसर जागरूकता सेमिनार का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (धनबाद): आयुष फाउंडेशन धनबाद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को मानस इंटरनेशनल स्कूल, हाउसिंग कॉलोनी, धनबाद में निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, समाजसेवी और गणमान्य अतिथि शामिल हुए।

कार्यक्रम में साधना अस्पताल की डॉ. साधना ने सर्वाइकल कैंसर के लक्षण, बचाव और समय पर जांच के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह बीमारी समय पर जागरूकता और टीकाकरण से रोकी जा सकती है।

सेमिनार के दौरान आयुष फाउंडेशन धनबाद के प्रेसिडेंट गणेश शर्मा ने सर्वाइकल कैंसर से जुड़ी महत्वपूर्ण आंकड़े प्रस्तुत किए, जिससे लोगों को इस बीमारी की गंभीरता का अंदाजा हुआ।

सचिव अर्पिता अग्रवाल ने कैंसर से जुड़ी भावनात्मक और प्रेरणादायक कथा साझा की, जिससे उपस्थित लोग गहराई से जुड़ सके और इस विषय पर संवेदनशीलता बढ़ी।

कार्यक्रम में उपस्थित मानस इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल सीमा सिंहा ने इसे एक सराहनीय कदम बताते हुए कहा कि इस तरह के जागरूकता अभियान समाज के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। डायरेक्टर राजेश कुमार ने बच्चों ओर पेरेंट्स को जागरूकता के साथ कदम बढ़ाने की बातों को कह कर सभी में हिम्मत डालें।

इस अवसर पर अध्यक्ष गणेश शर्मा, उपाध्यक्ष सुजाता रंजन, सचिव अर्पिता अग्रवाल, उपसचिव कुमार प्रशांत, संयोजिका राधा अग्रवाल, अर्पण फाउंडेशन से तापस चक्रवर्ती, मीता, सुमन आकांक्षा, ऋतु, रीता, रिया, रेखा शिक्षिका भी उपस्थित रही। सभी ने इस जागरूकता अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

सेमिनार के अंत में आयुष फाउंडेशन धनबाद की ओर से सभी प्रतिभागियों और अतिथियों को धन्यवाद दिया गया और भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

स्त्रीयां सर्वोच्च सम्मान की हकदार योग्य माता योग्य राष्ट्र की जननी

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च 2025: स्त्रीयां सदैव विराट स्वरूपा होती हैं हर काल, हर युग मे नारी पूजनीय रहीं हैं। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि 'मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा'। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का सर्वोत्तम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे और वही पुरुष समाज स्त्रियों का अनादर कर सरे आम घर में, समाज और देश कोने कोने में स्त्री अस्मिता से खिलवाड़ कर अपने पुरुष होने का अति अशोभनीय दम्भ भरता है। नारियां कब तक पुरुषों द्वारा किए गए इन अनाचारों को झेलती रहेगी। भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को "माता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्या" अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति, संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं। अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट, गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा, सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है। यह कहने में कतई गुरेज नहीं है कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, चिकित्सकीय, और विज्ञान में देश के हित के लिए अग्रणी रही हैं। सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की सशक्त भूमिका को नमन करते हुए कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें साधुवाद प्रदान कर उनकी इस भूमिका को प्रणाम करता है।

संजीव ठाकुर
वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक, कवि चिंतक, स्तंभकार
रायपुर छत्तीसगढ़

फिल्म छावा की रिलीजिंग के बाद से देश भर में मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर विवाद!

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च 2025: बॉक्स ऑफिस की ब्लॉक बस्टर फिल्म छावा की रिलीजिंग के बाद से देश भर में मुगल बादशाह औरंगजेब का विरोध हो रहा है। इसी बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अबू आजमी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। औरंगजेब की तारीफों के पुल बांधकर अबू बुरी तरह से फंस गए हैं। महाराष्ट्र में अबू के खिलाफ FIR दर्ज कर दी गई है। सोशल मीडिया पर भी कई लोग अबू के बयान पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। मुंबई के मानखुर्द शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक आजमी ने दावा किया, हमारा जीडीपी विश्व सकल घरेलू उत्पाद का 24 प्रतिशत था और भारत को (औरंगजेब के समय) सोने की चिड़िया कहा जाता था। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अबू आजमी के बयान इस बयान के बाद काफी ज्यादा भड़क गए थे। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज को जिसने 40 दिनों तक बंधक बनाकर मारा, वह उत्तम प्रशासक कैसे हो सकता है? जिसने अपनी मां और बहनों की इज्जत लूटी, वह औरंगजेब अबू आजमी को कैसे प्यारा लग सकता है। एकनाथ शिंदे के अलावा शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने अबू आजमी के इस बयान पर नाराजगी जाहिर की है।

दरअसल, अबू आजमी ने बॉलीवुड फिल्म छावा के संदर्भ में कहा कि सारा गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए और वह क्रूर नेता नहीं था। सपा के विधायक ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच लड़ाई धार्मिक नहीं बल्कि सत्ता के लिए थी। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच लड़ाई सत्ता के लिए थी। अगर कोई कहता है कि यह लड़ाई धर्म के लिए थी, तो मैं इस पर विश्वास नहीं करता। उस समय के राजा सत्ता और संपत्ति के लिए संघर्ष करते थे, लेकिन यह धार्मिक नहीं था। उसने (औरंगजेब ने) 52 साल तक शासन किया, और अगर वह वाकई हिंदुओं को मुसलमान बना रहा था- तो कल्पना कीजिए कि कितने हिंदुओं ने धर्म परिवर्तन किया होगा।उन्होंने कहा कि अगर औरंगजेब रहमतुल्लाह ने मंदिर तोड़े थे, तो उसने मस्जिदें भी तोड़ी थीं। अगर वह हिंदुओं के खिलाफ होता, तो 34% हिंदू उसके साथ नहीं होते; और उसके सलाहकार हिंदू नहीं होते। इसे हिंदू-मुस्लिम एंगल देने की कोई जरूरत नहीं है। यह देश संविधान से चलेगा, और मैंने हिंदू भाइयों के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा है।

इस बीच, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सदस्यों ने मुंबई और ठाणे शहर में आजमी के खिलाफ दो शिकायतें दर्ज कराईं। इसके बाद ठाणे में एक प्राथमिकी दर्ज की गई।

महाराष्ट्र में यह पहला मौका नहीं है जब औरंगजेब का जिन्न कब्र से निकला हो। कुछ दिनों से औरंगजेब के नाम का भूत कुछ युवाओं के सिर पर चढ़कर बोल रहा है। ये युवा औरंगज़ेब का स्टेट्स अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगा रहे हैं।, जिसकी वजह से पुलिस को खासा परेशानी झेलनी पड़ रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों से ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जहां पर लोग औरंगज़ेब का स्टेटस अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगा रहे हैं। हाल ही में मुंबई से सटे मीरा-भायंदर इलाक़े से एक मामला सामने आया जहां पर एक शख़्स ने अपने इंस्टाग्राम पर टीपू सुलतान और औरंगज़ेब का फोटो इस्तेमाल कर एक वीडियो रील बनाई और उसे अपलोड की जिसमे उसने कहा की "कोई यह मत समझना की हम खत्म हो गए, हम फिर आएंगे वही दौर लेकर"

यह वीडियो जैसे ही वायरल हुआ उसपर विश्व हिंदू परिषद से जुड़े एक कार्यकर्ता की नज़र पड़ी, जिसके बाद उसने इस बात की जानकारी दूसरे लोगों को दी और फिर इस मामले की वजह से शहर का लॉ एंड ऑर्डर ख़राब न हो इस वजह से विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने पुलिस का रुख़ किया। भायंदर पुलिस स्टेशन के इस मामले के जांच अधिकारी अनिल करे ने बताया कि 23 अगस्त के दिन विश्व हिंदू परिषद के ज़िला मंत्री नांगनाथ कांबले ने शिकायत दी की, जिसमें उन्होंने बताया कि एक साहिल नाम का लड़का, है जिसने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर औरंगज़ेब और टीपू सुलतान इन दोनों का एक वीडियो बनाया रील बनाया है और उसे शेयर किया है।

करे ने आगे बताया,"जिसके बाद हमने उसे देखकर वेरिफ़ाई किया और सीनियर अधिकारियों से बातचीत कर हमने FIR दर्ज की है, यह FIR IPC की धारा 153(A) और 34 के तहत दर्ज किया है, FIR दर्ज कर हमने साहिल का पता लगाया और उसे भायंदर इलाक़े से गिरफ़्तार किया, इस मामले दानिश नाम के दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।,"

आपको बता दें की बीते कुछ महीनों में ऐसे ही कुछ मामले महाराष्ट्र के कोल्हापुर, अहमदनगर, धुले और नासिक से भी सामने आये हैं। इसी साल महाराष्ट्र के अहमदनगर के संगमनेर तालुका में औरंगजेब की तारीफ में पोस्टर लगाने की घटना सामने आई थी वहाँ विरोध प्रदर्शन किया गया था। ये पहली घटना थी, जिसके बाद प्रदर्शन के बाद अज्ञात लोगों की ओर से पथराव हुआ जिसमे दो लोग घायल हो गए थे और कई गाड़ियों को भी नुक़सान हुआ था। पोस्टर के बाद तुरंत दूसरे दिन यानी की 7 जून के दिन कुछ लोगों ने कोल्हापुर में औरंगजेब और टीपू सुलतान का स्टेटस अपने सोशल मीडिया पर रखा था। ये दूसरी घटना थी, जिसके बाद आज कुछ हिंदू संगठन इसके विरोध प्रदर्शन के लिए इकठ्ठा हुए थे और पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर 'कोल्हापुर बंद' का आयोजन किया इसी बीच प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति पैदा हुई थी।

इसके बाद तीसरी घटना महाराष्ट्र के बिड के अष्टि इलाक़े में सामने आई 9 जून के दिन एक 14 साल के लड़के ने अपने वाट्सएप पर औरंगजेब का स्टेटस रखा और उसने उसने औरंगज़ेब की तारीफ की थी। यह बात सामने आते ही इस मामले में एक शिकायत दर्ज कराई गई। बाद में, कुछ स्थानीय हिंदुत्ववादी संगठनों ने इस घटना के विरोध में 'बंद' का आवाहन किया था। और इस चौथी घटना में तो एक शख़्स ने औरंगज़ेब के राज्याभिषेक करने की बात सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी 10 जून के दिन महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर का यह मामला है जिसमे एक शख्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर कहा था कि "औरंगजेब का राज्याभिषेक समारोह मनाओ" पोस्ट में कहा गया था कि 364 साल के बाद (औरंगज़ेब की) जयंती को बड़े धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। इस मामले के सामने आने के बाद अताउर रहमान पटेल नाम के शख़्स के खिलाफ सिडको पुलिस में FIR दर्ज किया था।

5वां मामला नवी मुंबई के वाशी इलाक़े से आया, यहां 10 जून के दिन एक मामला सामने आया जिसमे एक शख़्स बी औरंगज़ेब की तस्वीर अपने सोशल मीडिया प्रोफ़ाइल पर लगा रखी थी, इसे देखने के बाद अमरजीत सुर्वे नाम के व्यक्ति की इसकी शिकायत वाशी पुलिस को की और फिर पुलिस ने मोहम्मद अली मोहम्मद हुसैन के ख़िलाफ़ मामला दर्ज किया था। छठवीं मामला महाराष्ट्र के कोल्हापुर के कागल इलाक़े में हुआ, यहां 12 जून के दिन एक मामला सामने आया जिसमे फटाके की दुकान चलाने वाले फारुख यासीन असलकर नाम के शख़्स ने टीपू सुल्तान का पोस्ट अपने सोशल मीडिया पर किया जिसके बाद वहाँ हिंदू संघटना ने बंद का आवाहन किया पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ़्तार किया।

7वां मामला 12 जून के दिन महाराष्ट्र के अहमदनगर के पारनेर इलाक़े में हुआ, यहां एक 22 साल के लड़के ने सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट किया जिसके बाद वहाँ बंद का आयोजन किया गया। आठवाँ मामला उसी दिन यानी कि 12 जून को सांगली में हुआ, यहां एक नाबालिग बीजापुर के जनरल अफजल खान की तस्वीर को अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया जिसके बाद उसके ख़िलाफ़ पुलिस को मामला दर्ज करना पड़ा। नौवाँ मामला लातूर के किल्लारी गाँव में हुआ, यहां 15 जून के दिन एक शख़्स ने औरंगज़ेब का पोस्ट सोशल मीडिया पर डाल दिया जिसके बाद हिंदू संघटन के विरोध प्रदर्शन किया और कई दुकानों को बंद करवाया गया था ।देखने वाली बात यह होगी कि ताज़ा मामला कहां जाकर रुकता है।

अशोक भाटिया

कभी दहशत का दूसरा नाम बन गई थी कुसुमा नाइन

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च 2025: चार दशक पहले चंबल के बीहड़ों में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में दहशत का पर्याय बनी डकैत कुसुमा नाइन इलाज के दौरान दम तोड़ गई. वह इटावा जेल में हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रही थी. 70 के दशक में कुसुमा का यूपी से लेकर एमपी तक के बीहड़ों में आतंक था. उस पर हत्या समेत दर्जनों केस दर्ज थे. 61 वर्षीय कुसुमा को कभी सबसे खूंखार 'दस्यु सुंदरी' माना जाता था.कभी जातीय उन्माद के चलते निर्दोषों का खून बहाकर बदला लेने वाली जर्जर शरीर के साथ चिर निद्रा में सदा के लिए सो गयी।

दरअसल, बहमई कांड में डाकू फूलन देवी ने 22 राजपूतों की सामूहिक हत्या की थी. जिसके चलते 1984 में कुसुमा ने बाद में 14 मल्लाहों को मौत नींद की सुला दिया था. उनके घरों को भी आग के हवाले कर दिया था. कुसुमा के निधन के बाद नरसंहार वाले औरैया के गांव अस्ता में जश्न का माहौल है.

जिस पति केदार नाई का साथ छोड़ कर डकैत माधव मल्लाह के साथ कुसुमा भाग कर बीहड़ में कूदी थी आखिर अंतिम समय में उसी पति केदार नाई ने उसे मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार कर संसार से विदा किया। मूल रूप से जनपद के महेवा ब्लाक के टिकरी मुस्तकिल की रहने वाली कुसम का शव उसकी ससुराल कुठौंद ब्लाक के कुरौली रविवार 2 मार्च की शाम को लाया गया था। रात अधिक होने से सोमवार सुबह शव यात्रा निकली और गांव के बाहर उसका अंतिम संस्कार किया गया।

बता दें कि कुसुमा नाइन पर दो दर्जन से अधिक मुकदमा दर्ज थे। इसमें कई मुकदमों एमें गवाहों और साक्ष्य न मिलने से वह उनमें बरी हो गई। बाद में कानपुर के सेवानिवृत्त एडीजी की अपहरण कर हत्या के मामले में वह ऐसा फंसी की उसे आजीवन कारावास की सजा हुई, इसी सजा के चलते इटावा जेल में कैद थी। कुसुमा नाइन का जन्म साल 1964 में उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के टिकरी गांव में हुआ था। पचनद के जंगलों की कुख्यात डकैत कुसुमा नाइन पर हत्या समेत 24 से अधिक मामले दर्ज थे। देश में जितनी महिला डकैत थीं, उनमें कुसमा सबसे खूंखार मानी जाती थी। सिरसाकलार थाना क्षेत्र के टिकरी गांव निवासी डरू नाई की पुत्री कुसुमा नाइन का जन्म 1964 में हुआ था। पिता गांव के प्रधान थे। चाचा गांव में सरकारी राशन के कोटे की दुकान चलाते थे। इकलौती संतान होने के चलते लाड़ प्यार से पल रही थी। 13 साल की उम्र में उसे पड़ोसी माधव मल्लाह से प्रेम हो गया। वह उसके साथ चली गई। करीब दो साल तक उसका कोई पता नहीं चला।इसके बाद उसने पिता को चिट्ठी लिखी कि वह दिल्ली के मंगोलपुरी में माधव के साथ है। तब पिता दिल्ली पुलिस के साथ पहुंचे और उसे घर ले आए। पिता ने उसकी शादी कुरौली गांव निवासी केदार नाई के साथ कर दी। माधव कुसुमा से प्रेम करता था।

इस के बाद माधव मल्लाह पर डकैती का केस लगा और कुसुमा के पिता ने उसकी शादी केदार नाई से कर दी। बता दें कि माधव मल्लाह चंबल के कुख्यात डकैत का साथी था। शादी की खबर पाने के कुछ माह बाद माधव गैंग के साथ कुसुमा के ससुराल पहुंचा और उसे अगवा कर लिया। माधव, उसी विक्रम मल्लाह का साथी था; जिसके साथ फूलन देवी का नाम जुड़ता थाविक्रम मल्लाह की गैंग में रहने के दौरान ही उसे फूलन के जानी दुश्मन लालाराम को मारने का काम दिया गया। लेकिन फूलन से अनबन के कारण बाद में कुसुमा नाइन, लालाराम के साथ ही जुड़ जाती है। फिर विक्रम मल्लाह को ही मरवा देती है। इसी कुसुमा नाइन और लालाराम ने बाद में सीमा परिहार का अपहरण किया था, जो कि कुख्यात डकैत के रूप में उभरकर सामने आई थी। साल 1981 में फूलन देवी बेहमई कांड को अंजाम दिया था।

चुर्खी थाना क्षेत्र के एक गांव में 1982 में लालाराम और कुसुमा का गैंग रूका था। पिथऊपुर के पीछे इस गांव में डकैत अक्सर रहा करते थे। इसकी जानकारी तत्कालीन चुर्खी थानाध्यक्ष केलीराम को हुई, तो वह दबिश देने गांव पहुंच गए। उस समय कुसुमा शीशा लेकर मांग में सिंदूर भर रहीं थी। जैसे ही उसे शीशे में पुलिस दिखी तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी थी। इस घटना में थानाध्यक्ष केलीराम और सिपाही भूरेलाल की मौत हो गई थी। विभिन्न थानों की फोर्स के साथ एसपी जब तक पहुंचे लालाराम, कुसुमा बीहड़ों की ओर भाग गए थे। कुसुमा पुलिस की दो थ्री नाट थ्री राइफल लूट ले गई थी।

अपनी जातीय प्रतिशोध की आग में जलने के कारण ही उसने संतोष और राजबहादुर नामक दो मल्लाहों की आंखें निकाल कर बेरहमी की नई इबारत लिख दी थी. पिछले 20 साल से इटावा जेल में उम्रकैद की सजा काट रही कुसमा टीबी रोग से ग्रसित थी. उसके क्रूरता के किस्से आज भी लोगों के जेहन में हैं.

कुसुमा नाइन ने 2004 में मध्य प्रदेश के भिंड में आत्मसमर्पण किया था. तभी से वह जेल में बंद थी. इस बीच उसे कई बीमारियों ने जकड़ लिया. उम्र का भी असर रहने लगा. इन सबके बीच बीते दिनों लखनऊ के एक अस्पताल में इलाज के दौरान कुसुमा का निधन हो गया. बेहमई कांड के बाद फूलन ने सरेंडर कर दिया था। इसके बाद बीहड़ में कुसुमा नाइन का दबदबा तो बढ़ा ही बल्कि लूट, डकैती और हत्या की दर्जनों घटनाओं को अंजाम भी दिया। वह अपनी क्रूरता के लिए भी कुख्यात थी। जिसमें वह किसी को जिंदा जला देती थी तो किसी की आंखें निकाल लेती थी। साल 1984 में कुसुमा का नाम सुर्खियों में तब आया, जब उसने बेहमई कांड की तर्ज पर 15 मल्लाहों को एक साथ गोली मार दी थी।इसी घटना के बाद उसकी लालाराम से भी अनबन हो गई और वह रामाश्रय तिवारी उर्फ फक्कड़ बाबा से जुड़ गई। उस पर एक रिटायर्ड एडीजी समेत कई पुलिसवालों की हत्या का भी आरोप था। कई सालों बाद उसका बीहड़ों से मन उचट गया। साल 2004 में कुसुमा और फक्कड़ ने अपनी पूरी गैंग के साथ पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। तब से कुसुमा जेल में थी और उम्रकैद की सजा काट रही थी ।

कुसुमा की कहानी आधी सदी पहले के उस भारत की सामाजिक व्यवस्था डकैतों के समानांतर प्रभुत्व और उसमे अवयस्क लडकियों के योन शोषण और गिरोह के सरगनाओं की रखैल बना कर गिरोह की कमान संभालने जातीय उन्माद के चलते सामूहिक नरसंहार करने के दौर का हवाला देती है। जिस कालखंड में शोले रील नही रीयल स्टोरी हुआ करती थी।

मनोज कुमार अग्रवाल

हमारा सम्मान, स्वाभिमान, भारत से है, इंडिया से नहीं!

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च 2025: विचार कीजिए मेरा नाम राम है, आपका रहीम या उसका नाम राबर्ट ही क्यों है। यदि राम को राबर्ट या रहीम को राम के नाम से बुलाएं तो क्या कोई फर्क पड़ेगा? उत्तर, हाँ, पड़ेगा। क्या फर्क पड़ेगा इसका अनुमान इससे लगाइए कि मैं आपको भरे बाजार में ओसामा बिन लादेन कह के बुलाना शुरू करदूं। तब क्या होगा ? आप अवश्य चिढ़ेंगे (बशर्तें आप जमीर वाले इंसान हैं और किसी के गुलाम नहीं है)। यही मेरे जैसे विदेश में बसे लोगों का उत्तर होता है, जब हमसे हमारे ही देश भारत के कुछ गिने-चुने लोग कहते हैं कि भारत कहो या इंडिया, यार नाम से क्या फर्क पड़ता है। सच यह है कि आप की चिढ़ और हमारी झुंझलाहट इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि फर्क पड़ता है।

हां कुछ न्यूट्रल या उदासीन प्रवृत्ति के लोग हैं उन्हें कुछ फर्क नहीं पड़ता उन्हें अपनी रोजी रोटी से लेना देना होता है, वे नाम की पंचायत में नहीं पड़ते। उन्हें स्वाभिमान की चिंता नहीं, धन की चिंता रहती है। दूसरी ओर कुछ उल्टी सोच वाले लोग, शराब के दो घूंट के बाद जिन्हें गरीबों की चिंता बुरी तरह सताती है। ऐसे लोगों को अपनी सड़ी विचारधारा, अपनी अधमरी विद्वता से लोगों को भड़काकर देश में गरीब और गरीबी के नाम पर आग लगाने में मजा आता है। भारत की संस्कृति की बात चले तो उसकी खिलाफत करना इनका पेशा बन गया है। जो उदासीन हैं उनमें से ही कुछ जगाने पर ही जागते हैं और कुछ निर्मोही जिन्हें अपनी रोजी रोटी और अपने परिवार से मतलब होता है, उनके लिए नाम बदल दो या मत बदलो उन्हें फरक नहीं पड़ता वह नौकरी के लिए अपना तो क्या अपने बाप का भी नाम भी बदल सकते हैं। सामाजिक कार्यों के।लिए उनके पास समय नहीं होता।

उदासीनों में भी कुछ लोग आधे जागे और आधे सोए लोग होते हैं उनके मन में भारत और इंडिया को लेकर अक्सर प्रश्न उठते हैं जैसे:

संविधान में ही दोनों नाम लिखे हैं भारत अर्थात इंडिया। इसलिए हम सबको संविधान मानना चाहिए:- संविधान समाज बनाता है और स्वयं अपने संविधान को अपने सिर पर बिठाता है। जब संविधान बोझा बन जाए तब आवश्यकता के अनुसार उसमें बदलाव न किए जाएँ, तब जनता उद्वेलित होती है जो जन आंदोलन का रूप ले लेता है जो देश में क्रांति सूचक होता है। संविधान स्वर्ग से आई कोई पुस्तक नहीं है। मानव समूह ने सद्भाव के साथ रहने के लिए कुछ नियम निर्धारित किए होते हैं, यह नियम समय की आवश्यकता और भौगोलिक, धार्मिक, आर्थिक और मानसिक परिस्थितियों पर आधारित होते हैं।

भारत का संविधान जिन परिस्थितियों में लिखा गया या जिन लोगों ने लिखा या लिखवाया अथवा अपनी सहमति दी यह उस समय की उन लोगों की मनःस्थिति पर भी निर्भर करता है, जिनका संविधान सभा में बहुमत और वर्चस्व था, उनकी झलक संविधान में साफ दिखाई देती है। उन्होंने जो चाहा पास किया और लिखवाया। आज हमें अपने इतिहास को या संविधान को सुधारने का पूरा अधिकार भी है और अवसर भी इसलिए हमें क्यों हिचकना चाहिए।

पर प्रश्न यह कि क्या फर्क पड़ता है:

इसका उत्तर इंडिया शब्द के उद्गम से जुडा है। जैसे इंग्लैंड में पाकिस्तानियों को पाकी बोलते हैं और पाकी बोलते ही अंग्रेजों के मन में एक चित्र खींचता है दंगा फसाद करने वाले, गंदे रहने वाले, चाकू चलाने वाले, हेरा फेरी करने वाले (जैसा एक गरीब अंग्रेज के मुंह से लंदन में मैने सुना)। उसी तरह भारतीयों को इंडी भी कहा जाता है और इंडियन का मतलब गंदे, गरीब, गुलाम डरपोक, मतलबी इत्यादि। इंडिया भारत का उपनाम हे और यह उपनाम उसी से मिलता जुलता है जैसे गांव से भाग कर दिल्ली आए किसी दिल्ली के ढाबे में लोग किसन लाल को कलुआ नाम दे देते हैं और धीरे धीरे वह खुद भी भूल जाता है कि वह कभी किसन भी था।

अब प्रश्न उठता है कि क्या फर्क पड़ता कोई पाकी कहे, इंडी कहे या कलुआ कहे। सच यह कि नाम श्रद्धा, उद्देश्य, अर्थ महत्ता को देख कर रखे जाते हैं। उपनाम, मनोरंजन दुर्भाव, सद्भाव अतः जो भी हो यह नाम आदर भाव से तो रखे नहीं गए। सोचिए किसन जिसके कलुआ नाम सुनते सुनते कान पक गए हैं। सालों बाद कोई उसको चांदनी चौक के उस ढाबे पर दूर से पहचान ले और बोले अरे किसनवा तू यहां क्या कर रहा है, तो उसका प्यार से लिपटा किसनवा शब्द उसके कानो को कैसा लगेगा। ठीक उसके मुकाबले कि उसे कोई आदर पूर्वक कालुवा जी कह कर बुलाए। यह अनुभव हम विदेश में बैठे लोग कर सकते हैं। चलो हम मान लें कि हमने विदेश आकर किसन से मात्र नौकरी पाने के लिए या नौकरी पर अपने अंग्रेज साथियों को खुश करने को अपना नाम क्रिस रख भी लिया। फिर भी क्या मैं चाहूंगा कि मेरे गांव के लोग मेरे दादी-दादा, काका-काकी या पड़ोसी हमें क्रिस कह कर बुलाए और गौरवान्वित हो कि लड़का अंग्रेज बन गया।

प्रश्न तो नाम से पहचान का है कि वह कलुआ जो खुद भी अपना असली नाम भूल गया यदि उसे कुछ हो जाए तो वह कलुआ तुम किस जिला या गांव या पचात में ढूंढोगे। या उस किसन के मां बाप वह कलुआ शब्द कहां से लाएंगे जिससे वह अपने खोए बेटे को चांदनी चौक के ढाबे में ढूंढ सकें।

उच्चारण और आधुनिकता:

यह दलील कि भारत का इंडिया के मुकाबले उच्चारण मुश्किल है यह मात्र बहाना है जैसे किसन लाल के मुकाबले कलुआ। यूरोप में बहुत सी भाषाएं ऐसी हैं जिनके उच्चारण अंग्रेजी में नहीं हैं पर लोग उन्हें अपनी भाषा की तरह प्रयोग करते हैं भारत को ज्यादा से ज्यादा लोग क्या "बारत" कहेंगे जो भारत के अधिक करीब है इंडिया बिल्कुल नहीं। सच है यहां और देशों से प्रवासियों को फर्क नहीं पड़ता कि तुम्हारे देश का क्या नाम है बहुतों को अनेकों देशों के नाम ऊटपटांग लगते हैं जैसे इथियोपिया, kôte d'lavoir ऐसे ही अनेकों नाम हैं। सत्य यह कि यहां सब एक दूसरे के नाम का सम्मान करते हैं तब हम सबको गौरवयी नाम भारत क्यों न बताएं लोगों को इंडिया बता कर क्यों भ्रमित करें।

मॉडर्न और आधुनिकता के चक्कर में अपने पिता का नाम दिव्यमणि की जगह डेनियल या मां का नाम दमयंती से डायना या डाई क्यों बताने लगे। इसमें क्या गौरव की बात है। जिस तरह से कोई हुए लड़के के घरवालों का पता उसके गांव में किसन नाम सेआसानी से पता किया जासकता है इसी प्रकार भारत नाम से ऋषि-मुनि, ज्ञान-विज्ञान आध्यात्म आदि का ज्ञान भारत नाम से आसानी से किया जा सकता है न कि इंडिया से।

अब बात आती है उनकी, जिन्हें भारत के गौरव मान-मर्यादा और इतिहास में बदबू आती है। ऐसे वामपंथी विचारधारा के लोग कहते हैं कि एक तरफ भारत में गरीबी है और यह भारत के नकली हमदर्द इंडिया से भारत नाम बदलने के नाम पर करोड़ों खर्च कराना चाहते हैं। उनके ये विचार खोखले हैं कि गरीबी मिटाने के लिए देश में उनकी प्रिय शराब की दुकानें जिस प्रकार बंद नहीं की जा सकती, फाइटर विमान, नौसेना पर खर्चे बंद नहीं किए जा सकते, और यकीन मानिए यदि कर भी दिए जाएँ तो कोई गारंटी नहीं कि गरीबी मिट जाए। उनके अनुसार इन बातों पर ध्यान न दे कर सिर्फ गरीबी पर ध्यान दिया जाए और किसी देश ने इस बीच हमला कर दिया तो फिर गरीबी तो नहीं मिटेगी, पर देश का अस्तित्व ही मिट जाएगा। इसलिए सभी देश गरीबी कम करने के प्रयास करते रहते हैं मिटा कोई नहीं पाता है और विपक्षी गाल बजाने का काम कर अपना धर्म पालन करते हैं।

किसी कम्युनिस्ट देश में भी देश का मुखिया या राज नेता और एक मजदूर एक ही कीमत का नाश्ता नहीं करता है। वहां गारंटी मात्र पेट भर रोटी मुंह बंद कर खाने की होती है। आज भारत देश का सौभाग्य है कि मुफ्त राशन की गारंटी देश में है। गरीबी है इसमें दो राय नहीं पर गरीबी कम की जासकती है मिटाई नहीं जा सकती। गरीबी अमीरी में भेद ही अधीन युग में प्रगति का प्रतीक है। घोर वामपंथी देश हो या राम राज्य एक ही सिंहासन पर राजा और रैंक नहीं बैठ सकते। चीन रूस अमेरिका यूरोप कोई भी तंत्र, कोई देश गरीबी कम कर सकता है मिटा नहीं सकता। अमेरिका में भी लोग सड़क पर सोते हैं तो वहीं चीन के गांवों में आज भी गरीबी है। यह मात्र नारे हैं कि कम्युनिस्ट देशों में समानता है सच यह है कि यह मात्र नारा है। यह मात्र शराब पीने के बाद भारतीय कम्युनिस्टों के प्रवचन हैं। भारत के कुम्भ में कोई भूखा नहीं दिखा, भारत में गरीब के घर से भी संन्यासी को या भिखारी को बिना चुटकी भर आटे के विदा नहीं करते। चिड़ियों के पार्क नहीं होते बचा अन्न और पानी लोग छत पर किसी के कहने पर नहीं रखते है। कम्युनिस्ट देशों में डंडे की जरूरत पड़ती है हैं यहां तो यह वह गरीब अनपढ़ भी करता है जिसे यह भी नहीं पता कि हमारे चार वेदों के नाम क्या हैं। यह परिचय किसी विदेशी को मात्र भारत नाम से दिया जा सकता है इंडिया से समझाना मुश्किल होगा।

हम विदेशों में रहने वाले सभी प्रवासी अपनी सभ्यता और संस्कृति के योगदान से बहु सांस्कृतिक परिवेश में अपनी पहचान बनाते हैं तथा सम्मान पाते हैं। विदेशों में रह रहे भारतीय या अन्य किसी देश से बसे लोग जो अपनी संस्कृति से अपना परिचय दूसरों को नहीं देते ऐसे लोग घोर लालची और मतलबी हैं, यद्यपि अपने जीवन को बेहतर बनाने पैसा कमाने सभी आए हैं और थोड़े बहुत सभी लालची हैं।

जिस प्रकार आत्मा की पहचान शरीर से, शरीर की पहचान चेहरे से और चेहरे की पहचान नाम से होती है, किसी देश की पहचान उसके नाम भाषा, भोजन और वेशभूषा से होती। देश हो या मानव किसी की भी पहचान मुखौटे से नहीं होती है और इंडिया नाम एक मुखौटा है।

विदेश में रह रहे जागरूक भारतीय भारत का नाम भारत कहने में अधिक गर्व महसूस करते हैं। हम हमेशा भारत माता की ही जय बोलना पसंद करेंगे, वंदे मातरम कह कर सदा गर्व महसूस करेंगे। हम विदेश में बसे भारतीय इंडिया की जय, इंडिया जिंदाबाद, इंडिया मातरम् में धेले भर भी विश्वास नहीं करते।

डॉ. सुभाष शर्मा

आखिर क्यों लोग वोट देने क्यों नहीं निकल रहे?

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च 2025: क्या नागरिक कथित राजनीतिक तानाशाही से उत्पीड़ित महसूस कर रहे हैं और ब्रिटिश राज की याद कर रहे हैं? क्या लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया में रुचि कम हो रही है? ये ज्वलंत प्रश्न समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उठाए जा रहे हैं, जो चुनावों में मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट से उजागर होते हैं। चुनाव आयोग के सामने एक बड़ी चुनौती है कि इस क्षेत्र में मतदान प्रतिशत कैसे बढ़ाया जाए। चुनाव प्रक्रिया में अधिकतम भागीदारी को प्रोत्साहित करने के तरीके खोजना आवश्यक है। उच्च मतदान प्रतिशत प्राप्त करने के लिए, मतदाता जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे राजनीतिक विमर्श को ऊपर उठाने के साथ-साथ चलना चाहिए। ये दोनों पहलू आपस में जुड़े हुए हैं; राजनीति की गुणवत्ता में सुधार किए बिना, मतदाताओं को लुभाने के प्रयास परिणाम नहीं दे सकते हैं। यदि हम लोकतंत्र को जीवंत और सार्थक रखना चाहते हैं, तो हम सभी को बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। चुनाव हमारे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। मतदान केवल एक अधिकार नहीं है; यह एक मौलिक कर्तव्य है जिसे हम एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के रूप में निभाते हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि मतदान का दिन केवल छुट्टी या मौज-मस्ती का मौका नहीं है; यह हमारे देश के नेताओं और सरकार को चुनने की गंभीर जिम्मेदारी भी निभाता है, एक ऐसी जिम्मेदारी जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

राजनीति और लोकतंत्र की ताकत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में निहित है। आखिरकार, मतदान एक महत्वपूर्ण शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, और हर मतदाता के लिए इसे पहचानना महत्वपूर्ण है। राष्ट्र हमारा है, और हमारा लोकतंत्र भी हमारा है। इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में, वोट की सबसे बड़ी ताकत होती है। इस शक्ति से हम अपना और अपने बच्चों का भविष्य संवारते हैं। इसलिए, 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह चुनाव में भाग ले। मतदान न करने का विकल्प चुनना अनिवार्य रूप से इस लोकतांत्रिक दायित्व से विमुख होना है। हर मतदाता को अपने व्यस्त जीवन के बावजूद भी चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने का प्रयास करना चाहिए। जिस तरह लोग सुख और समृद्धि के लिए प्रार्थना करने के लिए पूजा स्थलों पर जाने के लिए समय निकालते हैं, उसी तरह हमें संसद को अपने लोकतंत्र के पवित्र स्थान के रूप में देखना चाहिए। चुनाव इस लोकतंत्र का उत्सव है, और मतदान की अपनी जिम्मेदारी को पूरा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्य से, कई आम नागरिकों, खासकर युवाओं, जो हमारे देश का भविष्य हैं, के लिए मतदान करना प्राथमिकता से कम हो गया है। वे अक्सर लोकतांत्रिक प्रक्रिया से सच्चे उत्साह और देशभक्ति के साथ जुड़ने में विफल रहते हैं। कई कामकाजी लोग अपने परिवार के साथ मतदान दिवस का आनंद लेने के लिए उत्सुक रहते हैं, लेकिन युवाओं के लिए मतदान अक्सर पीछे छूट जाता है। उनकी मानसिकता यह होती है, "अगर छुट्टियों के मौज-मस्ती के दौरान मेरे पास समय होगा, तो मैं मतदान करूंगा," और अगर उन्हें मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें मिलती हैं, तो वे इस विचार को पूरी तरह से त्याग सकते हैं। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि युवा पीढ़ी के लिए मतदान प्राथमिकता नहीं है, और नागरिक कर्तव्य के महत्व को समझाने के बुजुर्गों के प्रयासों के बावजूद, उनकी सलाह अक्सर अनसुनी हो जाती है। यह मतदान गिरावट में योगदान देने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है।

राजनीति की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि मतदाता अक्सर नेताओं में अपनी पसंद पर सवाल उठाते हैं। एक राजनेता कई सालों तक किसी पार्टी के साथ रह सकता है, सत्ता के लाभों का आनंद ले सकता है, लेकिन जब उन्हें आगामी चुनावों में संभावित हार का आभास होता है, तो वे पार्टी बदल लेते हैं और उसी संगठन की आलोचना करना शुरू कर देते हैं जिसका वे इतने लंबे समय तक हिस्सा रहे हैं। इस व्यवहार ने मतदाताओं का अपने नेताओं पर भरोसा खत्म कर दिया है, जो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए परेशान करने वाला है। आजादी के पचहत्तर साल बाद, दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे पुराना लोकतंत्र भारत, लोकतंत्र में कम होते विश्वास के बारे में वैश्विक चिंताओं का सामना कर रहा है। क्या नागरिक कथित राजनीतिक तानाशाही से उत्पीड़ित महसूस कर रहे हैं और ब्रिटिश राज की याद कर रहे हैं? क्या लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया में रुचि कम हो रही है? ये ज्वलंत प्रश्न समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उठाए जा रहे हैं, जो चुनावों में मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट से उजागर होते हैं। इस मुद्दे की जड़ केवल युवा मतदाता नहीं हैं; यह नई पीढ़ी में राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना पैदा करने में सामूहिक विफलता है। अगर ये मूल्य घर पर उनकी प्रारंभिक शिक्षा का हिस्सा होते, तो शायद आज हम इस स्थिति का सामना नहीं कर रहे होते। अगर हम देशभक्ति और नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर विचार करने के लिए एक पल भी निकालें, तो हम खुद को कमतर पा सकते हैं। दैनिक जीवन की भागदौड़ में, हम अक्सर अपने देश के प्रति अपने कर्तव्यों पर विचार करना भूल जाते हैं। हालाँकि, हमारे पास अभी भी अपने निजी मुद्दों के साथ-साथ राष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचार करने का समय है। हमें अपने देश की वर्तमान राजनीतिक दिशा पर गंभीरता से विचार करना चाहिए; अन्यथा, हम पुरानी कहावत को दोहराने का जोखिम उठाते हैं, "'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत'?

राजनीति में सिद्धांतों को प्राथमिकता देना ज़रूरी है। राजनीतिक कार्रवाइयों में हमेशा राष्ट्र की भलाई को ध्यान में रखना चाहिए। पार्टी बदलने से पहले हमें यह सोचना चाहिए कि यह फ़ैसला हमारे समर्थकों को कैसे प्रभावित करेगा। नेता तो जल्दी बदल सकते हैं, लेकिन मतदाताओं का दिल जीतने में समय लगता है। मतदान में वृद्धि के लिए नेताओं को मतदाताओं की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए और उनकी भावनाओं से खिलवाड़ करने से बचना चाहिए। लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए राजनीति में मज़बूत आदर्शों की स्थापना की ज़रूरत है, जिससे मतदाताओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। हमें ऐसा माहौल बनाने की ज़रूरत है जहाँ मतदाता स्वेच्छा से मतदान करने के लिए प्रेरित हों। यह केवल राजनीतिक व्यवस्था को बेहतर बनाकर ही हासिल किया जा सकता है। राजनीतिक परिदृश्य को बेहतर बनाने के लिए हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अवसरवादी नेताओं को दूर रखा जाए, ताकि जनता के बीच पार्टी के प्रति सम्मान की भावना बढ़े।

डॉ सत्यवान सौरभ

गरिमामयी होली

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च 2025: होली की गरिमा को ध्यान में रख कर, मर्यादित औऱ आनन्दित वातावरण में अगर हम इस रंगोत्सव को मनाए तो हमारा आनंद और उत्साह दोगुना होगा।

परम उल्लास के साथ पूरे भारत वर्ष में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी होली मनाई जाती है।

इस पर्व में जब हम अपने परिवार के साथ होते हैं जिसमें छोटे-छोटे बच्चे भी शामिल होते हैं तो हमारा उत्साह और उल्लास कई गुना हो जाता है। यदि परिवार या समाज में कोई बीमार या मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति हों तो रंग अबीर खेलते वक़्त हमें इस बात का ख्याल अवश्य रखना चाहिए कि किसी को हमारी वजह से किसी भी तरह की परेशानी ना हो। इन सबके साथ -साथ लोगों की भावनाएं आहत ना हो इसका भी हमें ख्याल रखना चाहिए ताकि होली मज़ा ना हो कर कहीं किसी के लिए सजा का रूप ना ले ले।

अब हमारे समाज में संयुक्त परिवार कम देखने को मिल रहे हैं इसकी जगह एकल परिवार का चलन बढ़ता जा रहा है, वजह है रोज़गार और पारिवारिक जिम्मेदारियां जिसकी वजह से आज हमें अपने परिवार के बीच से पलायन कर अन्यत्र रहना हमारी विवशता है, बस ऐसे पर्व त्योहारों पर हम अपने परिवार के बीच भाग कर आते हैं और इन त्योहारों का भरपूर आनंद लेते हैं, तरह तरह के स्वादिष्ट पकवानों का ज़ायका लेते हैं और इस पल को अपनी आँखों में कैद करके साल भर इस पल को महसूस कर प्रसन्नता से अपने कार्यों में लगे रहते हैं।

चाहे कोई भी पर्व त्योहार हो हम बस अपनी सोंच को स्वस्थ रखते हुए सकारात्मक विचारों के साथ इसे मनाएं तो इन यादों को संजोये रखने में हम तकलीफ महसूस नहीं करेंगे और त्योहार की मधुर स्मृतियाँ हमेशा मन को आह्लादित करती रहेंगी।

हम आपस के रिश्तों को ऐसे त्योहारों के साथ और मजबूत बना सकते हैं, आपसी मनमुटाव, झगड़े को हम अपने रिश्तों के बीच कभी ना आने दें फिर देखें हम कैसे इन उत्सवों को पूरे जोश के साथ मनाने में कामयाब होते हैं और स्वर्गिक आनंद का अनुभव इस मृतभुवन पर भी कर सकते हैं और तब हम इन पंक्तियों को उद्धृत करते हुए कह सकते हैं कि,

"ना क्यों आ जाये, खिंच कर फिर,
भला बृजधाम की होली।
ये होली भी क्या होली जो कुछ कौमें मनाती हों,
ये हर इंसान की होली है, खासो आम की होली।"

सिंधु मिश्रा
राँची, झारखंड

रेलवे में सुरक्षा, संचालन और नेतृत्व की जिम्मेदारी रही महिलाओं के कंधों पर

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (नई दिल्ली): भारतीय रेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 को भव्यता, उत्साह और गौरव के साथ मनाते हुए महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता को और सशक्त किया। रेलवे ने पूरे देश में विभिन्न प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें महिला कर्मचारियों की भूमिका, उनकी कड़ी मेहनत और उपलब्धियों का सम्मान किया गया। महिला लोको पायलटों द्वारा ट्रेनों का संचालन हो या स्टेशन प्रबंधन, टिकट काउंटर, टिकट निरीक्षण,अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल, इंजीनियरिंग और रेलवे सुरक्षा बल (RPF) की तैनाती- भारतीय रेल की नारी शक्ति ने हर क्षेत्र में अपनी दक्षता और नेतृत्व क्षमता को सिद्ध किया।

इस अवसर पर कई ट्रेनों को ऑस वुमन स्टाफ द्वारा संचालित किया गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) से सांई नगर शिरडी वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन पूरी तरह से महिला कर्मचारियों ने किया। वहीं दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से ऑल वुमन फ्रेट ट्रेन चलाई गई। बेंगलुरु डिवीजन से केएसआर बेंगलुरु-मैसूरु मालगुडी एक्सप्रेस और मैसूर-जयपुर एक्सप्रेस भी पूरी तरह से महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित की गईं। भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस और झांसी मंडल में बुंदेलखंड एक्सप्रेस का संचालन भी महिला कर्मियों ने किया।

सियालदह स्टेशन पर 'मातृभूमि लोकल' (लेडीज़ स्पेशल EMU) ट्रेन का संचालन महिलाओं द्वारा किया गया। वहीं गोरखपुर जंक्शन का संपूर्ण प्रबंधन महिलाओं ने संभाला। महाराष्ट्र के माटूंगा और राजस्थान के गांधीनगर रेलवे स्टेशन की कमान भी नारी शक्ति के जिम्मे रही। इसी कड़ी में नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे जोन के अलिपुरद्वार मंडल के कूच बिहार रेलवे स्टेशन (COB) को पूरी तरह से महिलाओं के नेतृत्व में संचालित किए जाने की घोषणा की गई है।

विभिन्न रेलवे जोनों में महिला लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर, टिकट चेकिंग स्टाफ और अन्य महिला कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। एक ओर जहां उत्तर रेलवे और दक्षिण रेलवे में विशेष सम्मान समारोह आयोजित किए गए, जहां महिला कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। वहीं पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडलों में महिला कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। जागरुकता और स्वास्थ कार्यक्रमों की कड़ी में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) चेन्नई में क्विज प्रतियोगिता, योग सत्र और मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही पश्चिम रेलवे ने 'नथिंग इज इम्पॉसिबल' थीम पर विशेष पॉडकास्ट एपिसोड जारी किया, जिसमें एशिया की पहली महिला मोटरवुमन की प्रेरणादायक यात्रा साझा की गई। ईस्ट कोस्ट रेलवे ने महिलाओं के लिए योग सत्र और वेलनेस काउंसलिंग जैसे आयोजन किए गए। देश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों को महिलाओं के सम्मान में विशेष लाइटों से सजाया भी गया है।

भारतीय रेल ने महिला हेल्प डेस्क, निगरानी प्रणाली और सुरक्षा सुविधाओं को और मजबूत करने की घोषणा की। कोटा मंडल में आत्मरक्षा और वित्तीय साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित की गईं। तो रतलाम मंडल में साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। वहीं जबलपुर मंडल में ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग कैंप लगाया गया, जिसमें 200 से अधिक महिलाओं की जांच की गई।

रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने कहा कि रेलवे अपने ऑपरेशन में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने और लैंगिक समानता को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। ऑल-वुमन ट्रेनों, महिला प्रबंधन वाले स्टेशनों और विविध कार्यक्रमों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि महिलाएं रेलवे के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएं। भारतीय रेल के कुल 12 लाख 30 हजार कर्मचारियों में से 1 लाख 13 हजार नारी शक्ति शामिल हैं। वर्तमान में 2000 से अधिक लोको पायलट, करीब 1900 महिला स्टेशन मैनेजर भारतीय रेल में सेवा दे रहीं हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के अवसर पर आयोजित इन कार्यक्रमों ने भारतीय रेल में महिलाओं की सशक्त भूमिका और नेतृत्व क्षमता को दर्शाया। यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम भी है।

डीएलएस शिक्षा महाविद्यालय में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर हुआ भव्य सम्मान समारोह

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के बदलूगंज स्थित डीएलएस शिक्षा महाविद्यालय में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. पंकज कुमार सिन्हा, निदेशक आकाश कुमार, प्रमुख रश्मि कुमारी, बीके लीला दीदी, महिला थाना प्रभारी प्रतिमा कुमारी, एएनएम दीप्ति विश्वास, शहीद की पत्नी प्रियंका कुमारी, योग शिक्षिका भावना कुमारी एवं प्रोफेसर नीलम कुमारी सहित महाविद्यालय के प्रोफेसरों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

स्काउट और गाइड यूनिट की रेंजर नेहा कुमारी, रोहिणी कुमारी, प्रीति कुमारी, मोनी, दीक्षा, सुहानी, सोनम, वर्षा और रैमसी ने महिला अतिथियों को बुके और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर संगीत विभाग के डॉ. योगेश कौशल के निर्देशन में छात्राओं ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही, महिलाओं के उत्थान और सम्मान पर आधारित सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्रों और छात्राओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में प्रमुख प्रतिनिधि पप्पू साह, प्रो. ललन कुमार, प्रो. विकास, कुलदीप, अमरेंद्र, नितिन कुमार, स्काउट जिला प्रशिक्षक मुकेश आज़ाद, प्रशांत सहित अन्य शिक्षकों ने महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने महिला सशक्तिकरण और समाज में उनकी भूमिका पर जोर देते हुए महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए जागरूकता बढ़ाने की अपील की।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर राजगांव की मुखिया संतोषी मुर्मू को मिला सम्मान

अब और अधिक ऊर्जा के साथ मैं महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करूंगी- संतोषी

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के राजगाँव पंचायत से लगातार दूसरी बार निर्वाचित मुखिया संतोषी मुर्मू को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भागलपुर जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी द्वारा शराबबंदी, दहेज मुक्ति, बालिकाओं को स्कूल भेजने जैसे कई उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। यह उनके नेतृत्व और सामाजिक परिवर्तन की दिशा में उनकी प्रतिबद्धता को प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत करता है। मुखिया को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित होने पर बीडीओ अभिमन्यु कुमार, बीपीआरओ कामेश्वर नारायण, पीओ देवेश कुमार गुप्ता, एमओ श्याम सुंदर, एलईओ ब्रजमोहन कुमार सहित सभी सामाजिक एवं राजनीतिक दल के लोगों ने बधाई दी है।

वहीं श्रीमती मुर्मू ने कहा कि डीएम सर के द्वारा सम्मानित होने पर मैं अपने आपको काफी गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ। अब और अधिक ऊर्जा के साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में मैं शत -प्रतिशत देने का प्रयास करूंगी।

जिस देवता के नाम का दिन होता है, उस दिन उस देवता का प्रभाव ज्यादा रहता है- बाबा उमाकान्त जी महाराज

जैसे रविवार के दिन; सूरज की गर्मी अन्य दिनों की अपेक्षा ज़्यादा रहती है

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (उज्जैन) परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने कहा कि विश्व के अधिकतर देशों में रविवार के दिन छुट्टी रखते हैं। अब क्यों रखते हैं? क्यों आराम कराते हैं? क्योंकि शरीर को आराम की भी ज़रूरत होती है। कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो नुकसान करती हैं, जैसे ठंडी या गर्मी अगर ज़्यादा हो जाए तो नुक़सान करती है, इसीलिए इनसे बचत करनी पड़ती है। ये जो दिन हैं, ये देवताओं के नाम से बनाए गए हैं। महीने में, जिनके नाम पर (देवता के) महीने का नाम होता है, उनका प्रभाव उस महीने में ज्यादा रहता है, इसी तरह से दिन में भी उन देवता का प्रभाव ज्यादा रहता है जिनके नाम पर उस दिन का नाम पड़ा है। अब जैसे रवि (सूरज)! तो रविवार के दिन सूरज की गर्मी अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा रहती है। तो जो गर्म देश हैं, उनमें शरीर को गर्मी से बचाने के लिए इस दिन छुट्टी रखना उचित है। और जो ठंडे देश हैं, उनमें सूरज की गर्मी लेने तथा आराम करने के लिए रविवार को छुट्टी रखना उचित रहता है। तो इसी तरह हर दिन का अलग-अलग महत्त्व होता है और लोग उसी तरह उसका फ़ायदा उठाते हैं।

खाने पीने की चीजों एवं स्वस्थ शरीर, दोनों के लिए गर्मी की जरूरत होती है

बहुत से लोग धूप में क्यों बैठते हैं? क्योंकि सूरज की गर्मी लेना भी जरूरी होता है। नहीं तो कहते हैं विटामिन डी की कमी हो गई, सूरज की रोशनी में बैठो। सूरज इन पांचों देवता में ज्यादा महत्व रखते हैं। सूरज का निकलना जब बंद हो जाता है, और धरती पर उनकी रोशनी नहीं पड़ी, तो असर आता है। जैसे आदमी को अगर धूप ना लगे तो उसका शरीर पीला होने लगता है, हड्डियां कमजोर हो जाती है, तो डॉक्टर कहते हैं सूरज की रोशनी लो; धूप में बैठो। पौधे भी देखो खराब हो जाते हैं, तब कहते हैं इनको धूप नहीं लगी, इसीलिए फल नहीं लगा या पौधा मुरझा गया, बरसात में सड़ गया। तो खाने पीने के इंतजाम से ले कर, जिस शरीर के लिए इंतजाम करते हैं दोनों के लिए गर्मी की जरूरत होती है। जमीन के अंदर जो बीज पड़ा रहता है, कोई डालता नहीं है लेकिन सूरज की गर्मी के असर से ही धरती के अंदर में जो ठंडी रहती है वो उनको ऊपर उठा देती है और जब ऊपर आ जाते हैं तो वही पौधे हो जाते हैं। फिर वही सूरज की किरणें उन पौधों को बड़ा कर देती है। पहाड़ों पर, जहां बरसात कम भी होती है, वहां भी ऊंचाई पर पेड़ लगे हुए रहते हैं, और हरे-भरे रहते हैं।

होली और रमजान को लेकर प्रशासन ने की विशेष तैयारी शुरू

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (निरसा): होली और रमजान को लेकर आम लोगों के साथ मिलकर प्रशासन ने विशेष तैयारी शुरू कर दी है, वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर जिले के अलग-अलग थानों और ओपी परिसर में शांति समिति का बैठक रखी गई, इसी कड़ी में आज कुमारधुबी ओपी परिसर में भी शांति समिति की एक विशेष बैठक कर, नशेड़ीओ और हुड़दंगईओ पर विशेषकर नकेल कसने को लेकर रणनीति भी बनाई गई है, ताकि होली और रमजान जैसे पवित्र त्योहार के दरमियान कोई व्यवधान ना आए।वही इस शांति समिति बैठक एगयारकुड सीओ कृष्णा मरांडी की अध्यक्षता में की गई।

वही इस बैठक का संचालन मुन्ना यादव ने किया।वक्ताओं द्वारा शराब पीने के मुद्दे पर विशेष चर्चा की गई। बैठक में चौक चौराहे पर गश्ती दल मुस्तैद रहने, डीजे बजाने और शराबियों एवं हुड़दंगईओ पर नकेल कसने को लेकर विशेष रणनीति बनाई गई, वही सीओ कृष्णा मरांडी ने कहा कि होली रंगों का त्योहार है। इसे शांति ढंग से मनाए। रोड के बीचो बीच अगजा न जलाएं। सोशल मीडिया पर अफवाह ना फैलाएं।वही कुमारधुबी ओपी प्रभारी राजेश कुमार लोहरा ने कहा कि क्षेत्र में पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखें, कोशिश करें कि अपने अपने स्थान पर रहकर ही होली मनाऐ,

शांति समिति की इस बैठक में मौके पर पंचायत समिति के सदस्य और बुद्धिजीवी वर्ग मे मुख्य रूप से जयप्रकाश सिंह, उप प्रमुख विनोद दास, संजय यादव, कुसुम दत्त, तनवीर आलम, जियाउल हुसैन, कौशर अली, राजेश मिश्रा, विक्रम कुमार, रंजीत मोदी, मुन्ना सिंह, मोहम्मद सिराज, जुबेर खान, इरफान अहमद, मनोज यादव, कासिम अंसारी, भीम यादव इत्यादि लोग उपस्थित थे।

महिला सशक्तिकरण

कुकर की सीटी-सी जो बजती
और बजाती है ,
वही तो सचमुच घर की,
नारी शक्ति कहलाती है ।
फैले और बिखरे सामान पर,
जो बौखलाती है ,
वही तो सचमुच घर की,
नारी शक्ति कहलाती है ।
सबके उठने से पहले जो,
डाइनिंग को सजाती है ,
वही तो सचमुच घर की,
नारी शक्ति कहलाती है ।
दौड़ने से पहले सड़क पर जो,
दहलीज से ही गुस्साती है,
वही तो सचमुच घर की,
नारी शक्ति कहलाती है ।
तुम्हारे मन की चीजें हैं सजाई,
मैंने टेबल पर,
ढकी हुई है सब चीजें,
उनका लुत्फ उठाना,
भूल कर भी उनको भूलना न,
लिख लो यह दिल पर,
जो कुछ कह कर आई हूँ,
उसे तुम भूल न जाना,
पैक किया है जो टिफिन,
उसे याद से लेकर जाना,
मुझे पता है कि तुमने,
बाहर का उल्टा सीधा ही है खाना,
फिर भी यूँ ना समझना कि,
बनाई हैं सब बेकार की चीजें
यह बेकार की चीजें ही,
तुम्हें बीमारी से बचाती हैं ..
कुकर की सीटी-सी जो बजती
और बजाती है ,
वही तो सचमुच घर की,
नारी शक्ति कहलाती है।

भावना अरोड़ा 'मिलन'
अध्यापिका, लेखिका,
मोटिवेशनल स्पीकर
कोलफील्ड मिरर

वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, गुरुग्राम में सेलिब्रेटी नाईट का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (गुरुग्राम): जितेंद्र प्रजापत गुरुग्राम-बेहतरीन पढ़ाई व बेस्ट प्लेसमेंट से सफलता का परचम लहराने वाले वर्ल्ड कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के प्रांगण में जेनिथ 2025 सेलिब्रिटी नाईट का आयोजन किया गया।

वर्ल्ड कॉलेज के रजिस्ट्रार युद्धवीर सिंह लांबा ने जानकारी देते हुए बताया कि सेलिब्रिटी नाईट कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित बॉलीवुड के मशहूर गायक सोनू निगम ने जेनिथ 2025 सेलिब्रिटी नाईट में अपनी सुरीली आवाज व एक्टिंग के दमदार परफॉर्मेंस का ऐसा जलवा बिखेरा की सभी मंत्रमुग्ध हो गए।

पंडाल में उपस्थित कॉलेज के एम.सी.ए, एम.बी.ए, एम.टेक, बी.टेक, बी.बी.ए, बी.सी.ए और डिप्लोमा इंजीनियरिंग के छात्रों और कॉलेज स्टाफ ने बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम के मंच पर पहुंचने पर तालियों से उनका स्वागत किया।

करीब दो घंटे की प्रस्तुति के दौरान पद्मश्री से सम्मानित बॉलीवुड के मशहूर गायक सोनू निगम ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति ने समां बांधा और हर किसी को थिरकने पर मजबूर कर दिया।

वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री कुंवर निशांत सिंह जी ने अपने संबोधन में कहा कि समय-समय पर इस तरह सेलिब्रिटी नाईट के आयोजन में बॉलीवुड के फेमस सिंगर और रैपर जैसे यो यो हनी सिंह, इक्का सिंह, सिंगर बोहेमिया, मोहित चौहान, पंजाबी सुपरस्टार सिंगर गिप्पी ग्रेवाल, बॉलीवुड के लोकप्रिय डीजे अकील, मशहूर पंजाबी सिंगर परमीश वर्मा और बॉलीवुड सिंगर बी प्राक आदि को बुला चुके हैं क्योकि विद्यार्थियों के सर्वांगिक विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद और मनोरंजन भी जरूरी होता है।

आपको बता दें कि वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से संबद्ध सर्वश्रेष्ठ कॉलेज है जो अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित बी.टेक के रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मैकेनिकल और ऑटोमेशन इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस और डिजाइन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आदि और एम.टेक के सिविल में कंप्यूटर एडेड स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस आदि मार्केट्स और इंडस्ट्री सेक्टर की डिमांड के अनुसार रोजगारयुक्त नए कोर्सेज का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है।

वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट को टाइम्स इंजीनियरिंग सर्वे द्वारा गुरुग्राम में प्लेसमेंट में नंबर 1 कॉलेज के रूप में स्थान दिया गया है। वर्ल्ड कॉलेज में अनेकों सेक्टर की अग्रणी कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट के लिए आती हैं।

43 लाख की लागत से बनने वाले 4 एसीआर भवन का शिलान्यास

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (निरसा): एग्यारकुंड दक्षिण पंचायत स्थित मध्य विद्यालय एग्यारकुंड में शनिवार की सुबह 11 बजे निरसा विधायक अरुप चटर्जी द्वारा नारियल फोड़ कर 43 लाख की लागत से बनने वाले 4 एसीआर भवन का शिलान्यास किया गया। इसके पूर्व विधायक अरुप चटर्जी का स्वागत छात्रों ने फूल वर्षा कर किया। उसके बाद स्कुल के शिक्षक एवं प्रभारी प्राचार्य द्वारा सभी अतिथियों को माला पहना, गुलदस्ता भेंट कर एवं शाल ओढ़ाकार सम्मनित किया गया।

निरसा विधायक अरुप चटर्जी ने कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। इस शुभ अवसर पर पहले सभी महिलाओं को बधाई। कहा कि काफी दिनों से स्कुल एवं स्थानीय अभिभावकों की मांग थी की स्कुल भवन बने। उनकी मांगों पर डीएमएफटी मद से 4 एसीआर दो तल्ला भवन का निर्माण कराया जा रहा है। इसके निर्माण हो जाने से छात्रों को पढ़ने में सुविधा होगी। वहीं शिक्षक की कमी के सवाल पर कहा कि इस मामले को विधानसभा में रखेंगे। ताकि स्कूलों में शिक्षकों की कमी को खत्म किया जा सके।

मौके पर जिप सदस्य बादल बाउरी, मुखिया अजय राम, पंचायत समिति सदस्य गौरी दास, प्राचार्य प्रमोद झा सहित शिक्षक, वार्ड सदस्य, ग्रामीण व अभिभावक मौजूद रहे।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का किया औचक निरीक्षण

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (बगहा): केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चन्द्र दुबे अपने बिहार भ्रमण के दौरान बगहा अनुमंडलीय अस्पताल में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का औचक निरीक्षण कर स्थानीय जनता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में इस क्रांतिकारी पहल से आए सकारात्मक बदलावों को ले कर चर्चा किया और कहा कि आज देश भर में 15,000 से अधिक जन औषधि केंद्रों के माध्यम से आम जन के जीवन को सुगम बनाने हेतु इस जन हितैषी प्रयास से उपयोगी दवाइयों के दामों मे 50-90% की कमी आई है, जिससे करोड़ों भारतीयों को राहत मिल रही है, उन्होंने हर भारतीय के स्वास्थ को लेकर केंद्र सरकार प्रतिबद्धता से एक आत्मनिर्भर और स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने की बात भी कही, इस अवसर पर बगहा विधानसभा के विधायक श्री राम सिंह भी उपस्थित थे,

पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (आसनसोल): पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने 5 मार्च से 7 मार्च 2025 तक कई कार्यक्रमों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2025 को शानदार तरीके से मनाया, जिसमें महिला सशक्तिकरण का जश्न मनाया गया और विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदानों को स्वीकारा गया।

इस समारोह का मुख्य आकर्षण 7 मार्च, 2025 को विवेकानंद इंस्टीच्यूट, आसनसोल में आयोजित महिला कार्मिक सम्मान समारोह था, जहाँ चेतना नंद सिंह, मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों और शाखा अधिकारियों के साथ मिलकर विभिन्न विभागों की महिला कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। कार्यस्थल पर उनके समर्पण और उत्कृष्टता के लिए प्रशंसा के प्रतीक के रूप में पुरस्कार प्रदान किए गए।

समारोह के हिस्से के रूप में, 5 मार्च, 2025 को आसनसोल के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के नवीन सभाकक्ष "दामोदर" में महिला कर्मचारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रम मंत्रालय के एक विशेषज्ञ शिक्षा अधिकारी को तनाव प्रबंधन, बौद्धिक प्रदर्शन और भावनात्मक कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए सत्र आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में कार्यस्थल पर ध्यान और उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक ध्यान प्रशिक्षण सत्र भी शामिल था। आसनसोल मंडल की महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सभी ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

इसके अतिरिक्त, 6 मार्च, 2025 को आसनसोल के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के नवीन सभाकक्ष में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 80 महिला कर्मचारियों को लाभ हुआ।

7 मार्च, 2025 को विवेकानंद इंस्टीच्यूट, आसनसोल में एक सस्वर पाठ प्रतियोगिता और एक अग्निहीन पाक कला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसने समारोह में एक रचनात्मक रूप प्रदान किया।

इस अवसर पर रेलवे कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने और भी अधिक उत्साहवर्धक माहौल का सृजन किया, जिसमें महिलाओं के योगदान के प्रति उनके समर्थन और प्रशंसा को प्रदर्शित किया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (ऋषिकान्त मिश्र)कहलगांव प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय बुद्दचक के प्रांगण में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच बुद्दचक व हरचंदपुर के बीच खेला गया जिसमें हरचंद पुर की टीम विजेता रही। वहीं फाइनल मुकाबला पीरपैंती और रानीपुर के बीच खेला गया। जिसमें रानीपुर की टीम विजेता और पीरपैंती की टीम उप विजेता रही।

वहीं कार्यक्रम के उद्घाटन और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में प्रमुख रश्मि कुमारी, नूतन देवी, मुखिया लालू सिंह, अशोक राम, राम कुमार राय, जयशंकर राय, रविंदर सिंह, एसआई प्रज्ञा कुमारी, सिकंदर यादव, विनीत रंजन सहित अन्य अतिथि शामिल हुए।

उद्घोषक के रूप में निखिल रंजन झा,अंकित कुमार, स्कोरर अंकज, सुजीत कुमार, निर्णायक सर्वोत्तम कुमार शर्मा, अंबिका मंडल, ममता कुमारी ने निभाई।

चीन ने अपने रक्षा बजट को 249 अरब डॉलर तक पहुँचा दिया

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (बड़वानी/मप्र): चीन ने अपने रक्षा बजट में 7.2% की वृद्धि कर इसे 249 अरब डॉलर तक पहुँचा दिया है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सैन्य संतुलन को प्रभावित कर सकता है। यह केवल सैन्य विस्तार नहीं, बल्कि उसकी वैश्विक प्रभुत्व की रणनीति का हिस्सा है। चीन अपनी सेना को अत्याधुनिक युद्धपोतों, मिसाइल तकनीक और लड़ाकू विमानों से लैस कर रहा है, जिससे उसकी आक्रामक सैन्य नीति और तेज़ हो सकती है। भारत के लिए यह केवल चेतावनी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति बनने का अवसर भी है। भारत को अपने रक्षा बजट के कुशल उपयोग, स्वदेशी रक्षा उत्पादन और सैन्य आधुनिकीकरण पर ज़ोर देना होगा। 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत हमें रक्षा उपकरणों का स्वदेशी उत्पादन तेज़ी से बढ़ाना चाहिए, ताकि बाहरी निर्भरता कम हो। साथ ही, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों के साथ सामरिक सहयोग को मजबूत करना होगा, जिससे भारत की रणनीतिक स्थिति सशक्त हो। इसके अलावा, सीमा सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करना बेहद ज़रूरी है, ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके। चीन का यह सैन्य विस्तार सिर्फ प्रतिस्पर्धा ही नहीं, बल्कि संभावित संघर्ष का संकेत भी देता है। भारत को अब केवल प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक सैन्य रणनीति पर काम करना होगा। यह समय सतर्कता और आत्मनिर्भरता दोनों बढ़ाने का है, ताकि भारत सिर्फ क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक सैन्य शक्ति के रूप में उभर सके।

जरूरी है संभालते रहना

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च 2025: कोई चीज हो या आपसी संबंध हो आदि उनको सखरखाव का सही से समुचित प्रबंध बराबर सार-संभाल करते रहने से ही रहता है। यदि सही से ध्यान नहीं दिया जाए तो निश्चित ही क़ुदरत के पास उनका नष्ट होने का प्रावधान है। इनमें शामिल वह सब कुछ चाहे शारीरिक स्वास्थ्य हो या धन संपदा हो। चाहे वह व्यापार या हो कोई रिश्ता हो आदि-आदि। किसी भी चीज की सही से समुचित प्रबंध बराबर सार-संभाल कामयाबी के सफर में धूप रूपी मुखिया का बड़ा महत्व होता हैं क्योंकि सही से इनको छांव मिलते ही ग़लत दिशा में कोई भी कदम रुकने लगते है। इसलिए कभी ना कही सख़्ती भी ज़रूरी है पर समझदार वही जो इसकी सही से समुचित प्रबंध बराबर सार-संभाल सही से संभाले रखता हैं। वैसे भी कोई चीज हो या आपसी संबंध आदि सब फूलों की तरह बेहद नाजुक होते हैं जो जरा सी तेज हवा के झोंके से उड़ जाते हैं, बारिश की एक बूंद से भीग जाते हैं, भारी हो जाते हैं पत्थर की तरह जरा सी ठेस से दरक जाते हैं, शीशे की तरह समय के साथ अपनी सोच के क़दम को बढ़ाने से ज़माने के साथ चलने से और बस प्रेम के एहसास और जज्बात से पलते हैं यह सब जो रूह से महसूस किए जाते हैं। इस तरह वह कुछ भी हो। बराबर सही से देखरेख मांगता है ताकि किसी को उसमें मीन-मेष निकालने का अवसर ही ना आए।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड

शेयर बाजार में भारी गिरावट जारी-विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली अमेरिकी टैरिफ, ट्रंप-यूक्रेन-ईयू टेंशन- निवेशकों में डर मेंशन

शेयर बाजार लगातार धड़ाम!- शुभ मंगल में अमंगल कोहराम! मिनट भर में 1.33 लाख करोड़ स्वाहा

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर दशकों से यह प्रचलन रहा है कि जब भी कोई प्राकृतिक, मानवीय मेड घटना, महायुद्ध सत्ता का पलटना महामारी इत्यादि कुछ घटनाएं होती है तो इसका प्रभाव संबंधित अनेक क्षेत्रों में होता हुआ दिखता है। जैसे 57 देशों के इस्लामी सहयोग संगठन, खड़ी देश हो या फिर विकसित देशों के बीच टकराव हो इससे तेल का रेट बढ़ना, किसी राजनीतिक उलटफेर का डर या कानून से विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयरों की बिकवाली से शेयर मार्केट गिरना या कोई महामारी आने से स्वास्थ्य व खाद्य क्षेत्र का चरमरा जाना इत्यादि होता है। मैंने बचपन में हर्षद मेहता का बहुत बड़ा शेयर घोटाला तथा एक स्टांप पेपर घोटाला सुना था जिसने उच्चस्तर तक को हिला दिया था। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि पिछले अनेक दिनों से भारतीय शेयर बाजार लगातार धड़ाम हो रहा है, भारत ही नहीं बल्कि ट्रंप द्वारा 4 मार्च 2025 से मैक्सिको कनाडा पर 25 परसेंट टैरिफ लगाने से ऑटोमेटेकली शेयरों को भारी मात्रा में गिरता देखा जा रहा है, इस तरह ट्रंप के विज़न अमेरिकी फर्स्ट व भारतीय लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार शेयरों की बिकवाली कर भारत से पैसा समेट रहे हैं, शायद अमेरिका में लगाने का उनका विचार हो सकता है। ऐसे अनेक संभावित कारणों की चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे।चूंकि शेयर मार्केट की लगातार भारी मात्रा में गिरावट चिंतनीय है, एनएसई निफ्टी को साप्ताहिक मासिक एक्सपायरी दिन को मंगलवार से सोमवार किया गया है जो 4 अप्रैल 2025 से लागू हो गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, शेयर बाजार लगातार धड़ाम शुभमंगल के कोहराम, मिनट भर में 1.33 लाख करोड़ स्वाहा।

साथियों बात अगर हम शेयर मार्केट की होती जा रही बुरी गति की करें तो, लगातार 12वें दिन गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है, मंगलवार को ओपनिंग बेहद खराब रही थी। गिफ्ट निफ्टी ने भी भारी गिरावट का संकेत दिया था, और हुआ भी वैसा ही, सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ खुले, और अब भी दबाव के साथ ही कारोबार कर रहा है। दरअसल, निवेशकों की अब हर उम्मीदें टूटती जा रही हैं। फरवरी का महीना शेयर बाजार के निवेशकों के लिए बेहद बुरा साबित हुआ।अभी मार्च का आगाज भी कोहराम के साथ हुआ है। मंगलवार को सेंसेक्स गिरावट के साथ 72,817.34 अंक पर खुला, जबकि निफ्टी 21,974.45 अंक पर खुला। मंगलवार दोपहर 1.30 बजे सेंसेक्स 176 गिरकर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 56 अंक गिरकर कारोबार कर रहा था।इससे पहले सोमवार को निफ्टी लुढ़ककर 22004 अंक तक पहुंच गया था। अगर निफ्टी 22000 अंक के नीचे चला जाता तो फिर गिरावट और बढ़ जाती है।हालांकि निफ्टी का 52 वीक लो 21,281.45 अंक है, जो मार्च-2024 का आंकड़ा है। ऐसे में टेक्निकल पैरामीटर पर अगर निफ्टी 22000 का लेवल तोड़ता है तो फिर 21000 अंक तक फिसल सकता है। फिलहाल 22000 अंक निफ्टी के लिए एक मजबूत सपोर्ट का काम कर रहा है। अगर गिरावट की बात करें तो पेटीएम के शेयर में 4.60 फीसदी, बजाज ऑटो में 5 फीसदी, हीरो मोटोकॉर्प में 3.50 फीसदी, इत्यादि अनेक शेयरों के रेट गिरे हैं, जबकि एचएएल में 3.5 फीसदी, एसबीआई में करीब 3 फीसदी, भेल में 2.50 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

साथियों बात अगर हम शेयर बाजार में गिरावटों के संभावित कारणों की करें तो, बाजार में गिरावट के ये सात मुख्य कारण हैं (1) एफआईआई की जोरदार बिकवाली- अगर बाजार में गिरावट के कारण देखें तो विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी है, साल 2025 में अबतक फी भारतीय बाजार से करीब 1.50 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं. सिर्फ सोमवार को ही फिईस ने भारतीय शेयरों में 4,788 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले। इससे पहले शुक्रवार 28 फरवरी को 11639 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे, वहीं भारतीय बाजार से पैसे निकालकर विदेशी निवेश चाइनीज मार्केट में लगा रहे हैं। (2) ट्रंप का टैरिफ अटैक- कनाडा और मैक्सिको से आने वाले सामानों पर 25 पेर्सेंट टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। जवाब में कनाडा ने भी अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 25 पेर्सेंट का जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। जिससे निवेशकों की चिंताएं बढ़ गई हैं. यही कारण है कि सोमवार को अमेरिकी बाजार में भी भारी गिरावट देखी गई। यही नहीं, डोनाल्ड ट्रंप की नई टैरिफ पॉलिसी ने ग्लोबल मार्केट्स पर हड़कंप मचा दिया है। (3) अब बड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट मिडकैप और स्मॉल कैप कंपनियों में भारी गिरावट के बीच अब लॉर्जकैप शेयरों में बिकवाली बढ़ने लगी है।मंगलवार को भी रिल के शेयरों गिरावट दर्ज की गई. इसके अलावा आईटी कंपनियों में दबाव देखने को मिल रहा है। टैरिफ वॉर से भी आईटी कंपनियों के शेयर गिर रहे हैं। निवेशकों को डर है कि टैरिफ और व्यापार तनाव के कारण भारतीय आईटी कंपनियों को मिलने वाले आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट्स में गिरावट आ सकती है (4) ग्लोबल सेंटीमेंट खराब- पिछले करीब 6 महीनों की गिरावट से बाजार का सेंटीमेंट काफी खराब हैं।अच्छी खबर पर भी बाजार चलने को तैयार नहीं है,खासकर अमेरिकी चुनाव के बाद डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने माहौल बिगाड़ने का काम किया है,यही नहीं, अमेरिका ने चीन से आने वाले उत्पादों पर 10 पेर्सेंट का अतिरिक्त शुल्क लगाने का ऐलान किया है, इससे चीन पर कुल टैरिफ 20पेर्सेंट तक पहुंच गया है।एक्सपर्ट्स को चीन से भी आने वाले दिनों में ऐसी ही कदमों का अनुमान हैं। (5) भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का कारण लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स माना जा रहा है- विशेषज्ञ इसे हटाने की मांग कर रहे हैं ताकि विदेशी निवेशक वापस आएं। (6) चीन की ओर से अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिशें- चीन की सरकार कोविड महामारी के बाद अपने देश की अर्थव्यवस्था को एक बार फिर से पटरी पर लाने की कोशियों में जुट गई है। इसके लिए सरकार की ओर से कई पहल किए गए हैं। उद्योगों के हित में कई नई घोषणाओं के बाद चीनी इक्विटी में वैश्विक निवेशकों को बड़े मौके दिख रहे हैं। इसे देखते हुए वे अपना पैसा भारत जैसे बाजार से निकालकर वहां डाल रहेहैं, इससे भारतीय इक्विटी को नुकसान हो रहा है। अगर चीनी सरकार की नई पहलों को एफआईआई से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती है, तो इसका मतलब है कि भारतीय बाजार पर दबाव बढ़ेगा और हैंग सेंग एक्सचेंज के जरिए चीनी शेयरों में और अधिक पैसा आएगा। हालांकि जानकारों का मानना है कि भारतीय शेयरों, विशेष रूप से मिड और स्मॉल-कैप के उच्च मूल्यांकन के कारण एफआईआई भले ही बिकवाली करें लेकिन, हालांकि, अच्छी बात यह है कि भारत में लार्ज- कैप का उचित मूल्यांकन है, जो इस सेगमेंट में खरीदारी को आगे भी आकर्षित करना जारी रख सकता है। (7) सोने की कीमतों में इजाफा- वैश्विक बाजारों में गोल्ड फ्यूचर और हाजिर सोने की कीमतों में बीते कुछ महीनों में बड़ा उछाल दिखा। सोना लगातार अपने ऑल टाइम हाई के आसपास कारोबार कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 24 फरवरी, 2025 को 2,956.37 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। 2024 में सोने की कीमतों में 27 पेर्सेंट मजबूती दर्ज की गई और 2025 में अब इस में 10.3पेर्सेंट का उछाल आ चुका है। आईसी आईसी आई बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय सोने की कीमतें पहली छमाही में 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। दिसंबर 2025 तक इसकी कीमतें 95,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। सोने की कीमतों में लगातार इजाफा भारतीय इक्विटी पर नकारात्मक असर डाल रहा है, क्योंकि लोग सुरक्षित निवेश की संभावना को देखते हुए इक्विटी से निकल कर सोने का रुख कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम भारत में शेयर मार्केट के गिरने के कारणों में एक कैपिटल गेन टैक्स की करें तो, गेंस एक प्रकार का कर है जो किसी संपत्ति को बेचने पर हुए मुनाफे पर लगाया जाता है. भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का कारण एलटीसीजी टैक्स माना जा रहा है। विशेषज्ञ एलटीसीजी टैक्स हटाने की मांग कर रहे हैं। एलटीसीजी हटने से विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में लौट सकते हैं।कैपिटल गेंस टैक्स एक प्रकार का कर है जो किसी संपत्ति को बेचने पर हुए मुनाफे पर लगाया जाता है, यह दो तरह का होता है, शार्ट टर्म कैपिटल गेंस टैक्स और लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स। लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स किसी संपत्ति जैसे शेयर और संपत्ति को एक निश्चित अवधि से अधिक समय तक धारण करने के बाद बेचने पर हुए मुनाफे पर लगाया जाता है।शेयरों के मामले में यह अवधि 12 महीने है, यानी अगर हम 12 महीने तक किसी शेयर को रखने के बाद उसे बेचते हैं, तो उससे हुए मुनाफे पर हमको एलटीसीजी चुकाना होगा। बजट 2025 में वित्त मंत्री ने कैपिटल गेन टैक्स की दरों को बढ़ा दिया था।सरकार ने शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन टैक्स की दरों को 15 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया था, जबकि लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स को 10 पेर्सेंट से बढ़ाकर 12.5 पेर्सेंट कर दिया था। भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हैं, जो शेयरों की बिक्री पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स वसूलता है।

साथियों बात अगर हम भारतीय शेयर बाजार पर आगे के लिए अनुमानों के कयास लगाने की करें तो, भारतीय अर्थव्यवस्था में वित्तीय वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही का जीडीपी अनुमान दलाल स्ट्रीट की उम्मीदों के अनुरुप रहना बाजार को अस्थायी राहत प्रदान कर सकता है। दिसंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि 6.2 पेर्सेंट दर्ज की गई। यह मुख्य रूप से सरकार की ओर से उच्च खपत से प्रेरित रही। इस दौरान पूंजी निर्माण पिछली तिमाही की तुलना में स्थिर रहा। पूरे वित्तीय वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.5 पेर्सेंट आंकी गई है। ऐसा तब संभव है जब चौथी तिमाही की वृद्धि दर 7.6 पेर्सेंट या उससे अधिक रहे। हालांकि फिलहाल यह एक लंबा लक्ष्य प्रतीत होता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शेयर बाजार लगातार धड़ाम!- शुभ मंगल में अमंगल कोहराम! मिनट भर में 1.33 लाख करोड़ स्वाह।शेयर बाजार में भारी गिरावट जारी- विदेशी संस्थागत निवेशकोंकी लगातार बिकवाली, अमेरिकी टैरिफ, ट्रंप - यूक्रेन-ईयू टेंशन- निवेशकों में डर मेंशन। शेयर मार्केट में लगातार भारी गिरावट चिंतनीय-एनएसई निफ्टी के साप्ताहिक मासिक एक्सपायरी दिन को गुरुवार से सोमवार किया, 4 अप्रैल 2025 से लागू।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

मैं हवा हूँ खुद ही बीमार हो गई

मैं हवा हूँ खुद ही बीमार हो गई
जब से हर तरफ ज़हर की भरमार हो गई
सुधरता कोई नहीं कचरा फैला रहे
बहुत कोशिश की पर लाचार हो गई

थोड़े से घास की लालच में
हरे भरे जंगल कोई जला रहा
अनाथ करके उजाड़ कर किसी का आशियां
अपने किये पर हंस रहा खुशियां मना रहा

खेतों में भी अब दवाईयों का छिड़काव हो रहा
कोई सब्जी फलों में इंजेक्शन लगा रहा
मन में सबके लालच है पैसा कमाने का
दूसरा मरता है तो मरे हमारे बाप का क्या जा रहा

पाली हाउसों में जो कुछ पैदा हो रहा
खाकर आम आदमी इस ज़हर को बीमार हो रहा
कैंसर जैसा घातक रोग कर रहा लाचार
लालची इंसान हंस रहा भुगतने वाला रो रहा

फलों को भी देखो कैसे पकाया जा रहा
जहरीले जानलेवा घोल में डुबाया जा रहा
लगते है फल एकदम ताज़ा जैसे पेड़ से उतारे हों
अच्छा फल समझ कर वही खाया जा रहा

अन्न में भी कोई कम नहीं मीठा ज़हर
धीरे धीरे जो शरीर के अंदर समा रहा
किसी का लीवर किसी का गुर्दा खराब
आदमी बीमारियों का घर बनता जा रहा

हर आदमी चाहता है अपना घर अपनी कार
धुआं इतना कि सांस लेना हो रहा दुश्वार
घूमने चला जाता है दूर साफ सुथरे पहाड़ पर
लौट जाता वापिस वहां कचरे के लगा कर अम्बार

क्यों आदमी को अपना स्वार्थ ही है नज़र आता
पैसे के लालच में क्यों भूल गया इंसानियत का नाता
दूसरों की ज़िंदगी से क्यों कर रहा खिलवाड़
इस ज़हर से बचने का क्यों नहीं उपाय कर पाता

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपुर हि प्र
कोलफील्ड मिरर

नहीं है प्रीत यह पराई

नहीं है प्रीत यह पराई, यह रौनक है घर की हमेशा।
मिलेगी इनसे खुशियां इतनी, होगी नहीं कभी निराशा।।
नहीं है प्रीत यह पराई-----।।

क्यों ऐसा तुम मानते हो, कि बेटी तो है धन पराया।
जायेगी कल दूसरे घर को, बनकर किसी का साया।।
तिमिर यह मन का निकालो, करो तुम इन पर भरोसा।
नहीं है प्रीत यह पराई-----।।

ये फूल तुम खिलने दो, कल महकेगा इनसे चमन।
होगी बहार इनसे जीवन में, मत करो इनका दमन।।
अपने लहू से इनको सींचो, मुकम्मल होगी हर आशा।
नहीं है प्रीत यह पराई-----।।

दम है इनमें भी इतना, ये झुका सकती है आसमां।
देती नहीं कभी ये धोखा, ये करती हैं पूरे अरमां।।
समझो नहीं इनको बेगाना, ये वफ़ा है औरों की अपेक्षा।
नहीं है प्रीत यह पराई-----।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी. आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

गुरु ज्ञान

खोज रहा हूं तुमको गुरु वर, मंदिर में देवालय में
खोज रहा हूं तुमको गुरु वर, आश्रम और हिमालय में
ढूंढ रहा हूं तुमको गुरु वर, हर मंदिर के आलय में
देख रहा हूं तुमको गुरु वर, आलय के एक आले में
ध्येय रहे सदा यह मन में,दीप्त पुंज होती गुरु महिमा
रहे सदा सम्मानित जग में ,परम्परागत है गुरु गरिमा
घर ला बिठा ताक में पूजित, पूज्यनीय गुरुवर की प्रतिमा
सोचा कभी स्वप्न में तुमने, गुरु की आभा और करिश्मा
अज्ञात शक्ति का देकर ज्ञान,दूर भगाए मन चंचलता
युक्ति ऐसी गुरू बताए ,आ जाए मन में स्थिरता
जन्म प्रयोजन सार बताए ,और सिखाए तत्व महत्ता
नेह लग जो गेह समझकर,सिद्ध करे तन की नश्वरता
जीवन का उद्देश्य बताकर, हमें सिखाए उस पर चलना
घना अंधेरा पार करा, दूधिया प्रकाश आभास कराना
कर्मेन्द्रियां बस करने को,क्रिया योग की युक्ति बताना
काम क्रोध से मलिन हुआ मन, प्रक्षालन का मंत्र सिखाना
तन मन से संशय मिटने पर, अष्टांग योग का पथ बतलाए
यम नियम आसन प्राणायाम प्रत्याहार का भेद बताए
होंइं प्रशिक्षित जब इन पद में, धारणा ध्यान के मंत्र बताए
ब्रह्म मुहूर्त की बेला नित उठ ,कूटस्थ पर ध्यान धराए
पंचविकार से मुक्ति पाकर, अन्तर्मुखी इन्द्रियां बनाना
सादा जीवन उच्च विचार से, जीवन पथ पर आगे बढ़ना
व्याप्त चराचर रहें जगत में, उन गुरु चरणों की करो वंदना
गुरू श्री परमहंस योगानंद की, सदा सदा स्मृति में रहना

बच्चू लाल परमानंद दीक्षित
दबोहा भिण्ड/ग्वालियर
कोलफील्ड मिरर

आधुनिक व्यक्तित्व

बहुत कुछ लिखते हैं लिखने वाले
मगर लिख नहीं पाते
अपने गुनाहों को कभी।

बहुत कुछ कहते हैं कहने वाले
मगर कह नहीं पाते
अपने जुर्मों को कभी।

बहुत कुछ सुनाते हैं सुनाने वाले
मगर सुना नहीं पाते
अपनी कमियों को कभी।

बहुत कुछ दिखाते है दिखाने वाले
मगर दिखा नहीं पाते
दबे हुए जज्बातों को कभी।

डॉ. राजीव डोगरा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
कोलफील्ड मिरर

ढूंढ़ो तो सुकून खुद में

ढूंढ़ो तो सुकून खुद में, अहर्निश दौड़ता है जद में।
सारा जहां को देखिए, भागते हुए लगे हैं हद में।।
तलाश कर रहे हैं जिसकी, वो पास में ही बसा है।
लोग दौड़ते हैं सब, जद की एक फांस में फसा है।

चाहते हैं सब से जहां में, एक सुकून जिंदगी की।
दर दर कहां भटकता है, आदमी आस बंदगी की।
बन गया बेगाना जग में वो अपने आप जिंदगी में।
चल न सके है राह पर, वो कुशल और सादगी में।

राह है कठिन खुद ही, अपनी अभिधान बन गया।
सुकून है नहीं जहां में, भटकना व्यवधान बन गया।
अंतस में नहीं देखा, जो सांवरे दिल दार बस गया।
झूठ और फरेब में, सब जहान आप ही फस गया।

अंधेरे के इस दौर में, प्रकाश खुद ही खो रहा है।
झूठ के फैलाव में अब, सच ज्ञान दिन में रो रहा है।
देख कर अंधेरा खुद, प्रभा आप अब छुप रही हैं।
दिल से सघन कोहरा, नभ में रौशनी चुक रही हैं।

के एल महोबिया
कोलफील्ड मिरर

ग़ज़ल

रूठ कर आप हमसे किधर चल दिए
तोड़ वादे सभी क्यों मगर चल दिए

मिल सकेगा भला चैन तुमको कहाँ
तुम सुकूँ जब मेरा छीन कर चल दिए

इश्क़ की राह मुश्किल बड़ी थी मगर
हम मगर इश्क़ में बेख़बर चल दिए

याद उनको मेरी आएगी तो बहुत
वो अकेले मेरे बिन सफ़र चल दिए

वो कसम क्या हुई तुमने खाई थी जो
क्यों यकीं को मेरे तुम तितर चल दिए

था दिवाना मेरा दिल तेरा ही फकत
अब तो अरमाँ मेरे सब बिखर चल दिए

तुम न समझे मेरे प्यार को आज तक
आज भी देख तो बेअसर चल दिए

नाव कागज़ की थी तैरती कब तलक
डूबते हम गए बस जिधर चल दिए

डॉ. सुमन मोहिनी सलोनी
कवयित्री, नई दिल्ली
कोलफील्ड मिरर

सफलतम कुंभ आयोजन के लिए साधुवाद

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च 2025: सम्भवतः पहली बार ऐसा देखने में आया कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री, केंद्रीयमन्त्री, मुख्यमन्त्री, मंत्री, सत्तापक्ष-विपक्ष के नेता, अभिनेता, वैज्ञानिक, उद्योगपति, खिलाड़ी, अधिकारी, विदेशी राजनयिक, विदेशी भक्त और देश के प्रायः सभी राज्यों के प्रायः सभी वर्गों ने प्रयागराज महाकुम्भ में स्नान करके अपनी आस्था-निष्ठा प्रकट की। व्यवस्था की दृष्टि से कुछ कमिया मानी जा सकती है, पर आस्था की दृष्टि से ये महाकुम्भ ऐतिहासिक और सनातन धर्म की सार्वभौमिक प्रतिष्ठा करने वाला सिद्ध हुआ। हम अपने घर मे होने वाले छोटे आयोजनों मे सही से व्यवस्था नही कर पाते है, यह को महाकुम्भ था। रिकार्ड तोड़ संख्या मे लोगो का प्रयागराज आना और एक-दो घटना को छोड़ कुंभ का सकुशल पुर्ण होना उ प्र सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विपक्ष भले ही इसमे खामिया निकाले, परंतु जनता सब जानती है। विपक्ष कुंभ की सफलता से माथा पीटे या टांगे कुटे, उसे खुद ही समझ मे नही आ रहा है। इस महाकुम्भ को सही ले संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, अधिकारी, बड़े-छोटे सभी कर्मचारी, सफाई कर्मी आदि की दिन-रात की बिना रुके मेहनत को सलाम और उनको बहुत-बहुत साधुवाद। उ प्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी तारीफ करना होगी, उन्होंने पुरे समय अपना ध्यान इस बात पर दिया की वहा आने वाले लोगो को कोई परेशानी न हो। उन्होंने कुंभ समाप्त होते ही सफाई कर्मियों को दस हजार रुपये बोनस व वहा तैनात सभी पुलिस जवानो को बारी-बारी से एक सप्ताह छुट्टी देने की घोषणा कर दि। इसके लिए योगी को भी साधुवाद। याद रहेगा प्रयागराज का यह महाकुम्भ।

आशीष सकलेचा
जावरा

भारत: बदलते विश्व आर्थिक परिदृश्य का नया नायक

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च 2025: भारत आज वैश्विक मंच पर एक नए, स्वर्णिम युग की ओर दृढ़ कदमों से अग्रसर हो रहा है। जब समूचा विश्व व्यापार युद्ध की उलझनों, आर्थिक अस्थिरता और अनिश्चितता के भँवर में फँसा हुआ है, तब भारत अपनी अद्वितीय रणनीतिक दूरदर्शिता, आत्मनिर्भरता की अटूट शक्ति और प्रखर सूझ-बूझ के बल पर नवीन संभावनाओं का सृजन कर रहा है। वैश्विक पटल पर अमेरिका, चीन, कनाडा और मैक्सिको के बीच व्यापारिक तनाव अपने चरम पर पहुँच चुका है। अमेरिका द्वारा नए टैरिफ लागू करने के साहसिक निर्णय ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भूचाल ला दिया है, तो वहीं चीन और कनाडा ने भी जवाबी शुल्कों के साथ इस युद्ध को और प्रचंड बना दिया है। ऐसे में भारत के लिए यह एक दुर्लभ अवसर है कि वह स्वयं को एक अडिग, विश्वसनीय और प्रभावशाली व्यापारिक शक्ति के रूप में स्थापित करे।

टैरिफ की इस आंधी ने अनेक अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को नए विनिर्माण ठिकानों की खोज के लिए विवश कर दिया है। यदि भारत अपने 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसे दूरदर्शी अभियानों को और अधिक प्रबल गति प्रदान करे, तो वह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का एक अपरिहार्य अंग बनने की क्षमता रखता है। विदेशी निवेश को आकर्षित करने हेतु व्यावसायिक सुगमता को सशक्त करने, नवाचार को प्रोत्साहन देने और अनुसंधान के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाने से भारत इस व्यापार संग्राम से अभूतपूर्व लाभ अर्जित कर सकता है। यह समय भारत के लिए अपनी आर्थिक नींव को सुदृढ़ करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक नई पहचान गढ़ने का है।

भारतीय कृषि क्षेत्र भी इस संकटमय वैश्विक परिदृश्य में एक सुनहरे अवसर की प्रतीक्षा में है। जब विश्व खाद्य सुरक्षा और पोषण की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भारत अपनी प्राचीन और समृद्ध कृषि परंपरा का उपयोग कर वैश्विक बाजार में एक नया मुकाम हासिल कर सकता है। मोटे अनाज, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'श्री अन्न' का सम्मानजनक नाम देकर पुनर्जनन प्रदान किया, आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुपरफूड के रूप में उभर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष' घोषित करना भारत की कृषि शक्ति और दूरदर्शिता का ज्वलंत प्रमाण है। यह पहल न केवल भारतीय किसानों की आय को दोगुना करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, बल्कि भारतीय कृषि उत्पादों को वैश्विक मंच पर एक सम्मानजनक स्थान भी दिला रही है।

व्यापार और कृषि के साथ-साथ भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था भी एक अभूतपूर्व उड़ान भर रही है। 'स्टार्टअप इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियानों ने देश में तकनीकी क्रांति की नींव रखी है। जब वैश्विक कंपनियाँ नए तकनीकी केंद्रों की तलाश में हैं, तब भारत अपनी नवाचार क्षमता, कुशल मानव संसाधन और स्थिर नीतियों के दम पर एक डिजिटल महाशक्ति बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय स्टार्टअप्स को वैश्विक स्तर पर मिल रही मान्यता इस बात का साक्ष्य है कि भारत अब केवल एक उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमशीलता का एक सशक्त केंद्र बन चुका है। यह तकनीकी उन्नति भारत को विश्व में एक नई पहचान देने का संकल्प रखती है।

साथ ही, भारत की ऊर्जा नीति भी आत्मनिर्भरता और हरित भविष्य की ओर एक प्रेरक संकेत दे रही है। जब विश्व ऊर्जा संकट की चपेट में है और बड़े देश तेल व गैस की आपूर्ति को लेकर संशय में हैं, तब भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक अनुपम कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में भारत ने अपनी प्रभावी उपस्थिति से विश्व को आश्चर्यचकित कर दिया है। यह प्रगति न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मील का पत्थर है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी भारत को नेतृत्वकारी भूमिका में स्थापित कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्वास्थ्य, स्वच्छता और योग को एक नई ऊँचाई प्रदान की है। 'फिट इंडिया मूवमेंट' और 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' की अभूतपूर्व सफलता इस बात का प्रमाण है कि भारत न केवल आर्थिक व तकनीकी क्षेत्र में, बल्कि सांस्कृतिक और जीवनशैली सुधारों में भी विश्व का मार्गदर्शक बन रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने अपनी टीकाकरण नीति को जिस कुशलता और दृढ़ता से लागू किया, वह वैश्विक समुदाय के लिए एक प्रेरणा बन गया। यह भारत की संकटकाल में नेतृत्व करने की अदम्य क्षमता को दर्शाता है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियाँ भारत के लिए एक नई आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्रांति का आधार तैयार कर रही हैं। यदि भारत अपने 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन, डिजिटल प्रगति, कृषि उत्थान और तकनीकी नवाचार को सही दिशा में संचालित करता है, तो निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में वह वैश्विक शक्ति संतुलन का एक अटूट आधार-स्तंभ बनकर उभरेगा। यह समय केवल संकटों को देखने का नहीं, बल्कि उन्हें अवसरों में परिवर्तित करने का है। भारत की अटल संकल्पशक्ति, परिश्रम और बौद्धिक प्रखरता के बल पर एक नए युग का सूत्रपात हो रहा है—एक ऐसा युग, जिसमें भारत न केवल एक समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरेगा, बल्कि विश्वगुरु के रूप में अपनी प्राचीन गरिमा को पुनः स्थापित करेगा। यह भारत का वह स्वप्न है, जो अब साकार होने की ओर अग्रसर है।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"
बड़वानी (मप्र)

मीरा बाई: एक भक्ति संत और कवयित्री

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च 2025: मीरा बाई एक महान भक्ति संत और कवयित्री थीं, जिन्होंने अपने जीवनकाल में भगवान कृष्ण के प्रति अपने प्रेम और भक्ति को व्यक्त करने के लिए कई सुंदर कविताएँ और गीत लिखे। उनकी कविताओं में भगवान कृष्ण के प्रति उनका गहरा प्रेम और समर्पण दिखाई देता है, और उनकी भक्ति की गहराई और सच्चाई ने उन्हें एक महान संत और कवयित्री बनाया।

मीरा बाई की कविताएँ और गीत भगवान कृष्ण के प्रति उनके प्रेम और भक्ति को व्यक्त करते हैं। यहाँ कुछ उनकी प्रसिद्ध कविताएँ और गीत हैं:

1. "पायल बाजे री धुन" - यह कविता मीरा बाई की सबसे प्रसिद्ध कविताओं में से एक है, जिसमें उन्होंने भगवान कृष्ण के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है।
2. "मेरे तो गिरधर गोपाल" - इस कविता में, मीरा बाई ने भगवान कृष्ण को अपना पति माना है और उनके प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है।
3. "मैं तो सुनी री पुकार" - इस कविता में, मीरा बाई ने भगवान कृष्ण की पुकार सुनी है और उनके प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है।
4. "चल मीरा तेरी प्यारी" - इस कविता में, मीरा बाई ने भगवान कृष्ण के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है और उनके साथ जाने की इच्छा व्यक्त की है।
5. "मीरा के प्रभु गिरधर नागर" - इस कविता में, मीरा बाई ने भगवान कृष्ण को अपना प्रभु माना है और उनके प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है।

इन कविताओं में, मीरा बाई ने भगवान कृष्ण के प्रति अपने प्रेम और भक्ति को व्यक्त किया है, और उनकी कविताएँ आज भी लोगों को भगवान कृष्ण के प्रति प्रेम और भक्ति की भावना को जगाती हैं।

मीरा बाई का जन्म 1498 में मेड़ता में हुआ था, जो वर्तमान में राजस्थान में है। उनके पिता रतन सिंह एक राजा थे, और उनकी माता वीर कुंवर एक रानी थीं। मीरा बाई का विवाह राणा सांगा से हुआ था, लेकिन उनका दिल भगवान कृष्ण के प्रति समर्पित था, और वे अपने पति को भगवान कृष्ण का रूप मानती थीं।

मीरा बाई की कविताएँ भगवान कृष्ण के प्रति उनके प्रेम और भक्ति को व्यक्त करती हैं, और उनकी कविताओं में संगीत और नृत्य का महत्व भी दिखाई देता है। उनकी कविताओं में भगवान कृष्ण के साथ उनके प्रेम के खेल और उनकी भक्ति की गहराई का वर्णन किया गया है, और उनकी कविताएँ आज भी लोगों को भगवान कृष्ण के प्रति प्रेम और भक्ति की भावना को जगाती हैं।

मीरा बाई की मृत्यु 1547 में हुई थी, लेकिन उनकी कविताएँ और उनकी भक्ति की गहराई आज भी लोगों को प्रेरित करती हैं। वे एक महान संत और कवयित्री थीं, जिन्होंने अपने जीवनकाल में भगवान कृष्ण के प्रति अपने प्रेम और भक्ति को व्यक्त करने के लिए कई सुंदर कविताएँ और गीत लिखे, और उनकी कविताएँ आज भी लोगों को भगवान कृष्ण के प्रति प्रेम और भक्ति की भावना को जगाती हैं।

मीरा बाई के जीवन में भगवान कृष्ण के प्रति आकर्षण की शुरुआत उनके बचपन से हुई थी। उनके माता-पिता भगवान कृष्ण के भक्त थे, और वे घर में भगवान कृष्ण की पूजा और भजन करते थे। मीरा बाई को भगवान कृष्ण की कहानियाँ और भजन सुनने को मिलते थे, और वे भगवान कृष्ण के प्रति आकर्षित हो गईं।

एक कहानी के अनुसार, मीरा बाई को भगवान कृष्ण की मूर्ति देखने को मिली थी, और वे उस मूर्ति के प्रति आकर्षित हो गईं। उन्होंने भगवान कृष्ण को अपना पति मान लिया और उनके प्रति अपने प्रेम और भक्ति को व्यक्त करने लगीं।

मीरा बाई के विवाह के बाद भी, उनका मन भगवान कृष्ण के प्रति आकर्षित रहा, और वे अपने पति को भगवान कृष्ण का रूप मानती थीं। उनके पति की मृत्यु के बाद, मीरा बाई ने भगवान कृष्ण के प्रति अपने प्रेम और भक्ति को और भी गहराई से व्यक्त करना शुरू किया, और उन्होंने अपने जीवन को भगवान कृष्ण के प्रति समर्पित कर दिया।

इस प्रकार, मीरा बाई के जीवन में भगवान कृष्ण के प्रति आकर्षण की शुरुआत उनके बचपन से हुई थी, और उनका यह आकर्षण उनके जीवन भर बना रहा।

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह
सहज हरदा मध्य प्रदेश

संजय वर्मा दृष्टि को काव्य रत्न सम्मान

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च 2025: सोशल मीडिया पर माँ शारदे काव्य मंच परिवार द्वारा आयोजित काव्य पंक्ति प्रतियोगिता में मनावर जिला धार मप्र के संजय वर्मा "दृष्टि" जिन्होंने समर्पण विषय पर अपनी उत्कृष्ट रचना को मंच पर सांझा किया जाकर सर्वश्रेष्ठ उत्तम सृजन कर काव्य रत्न सम्मान प्राप्त किया। सम्मान पत्र मंच के अध्यक्ष-ओंकारसिंह चौहान, मुख्य संरक्षक-सोहनलाल शर्मा प्रेम, मुख्य सलाहकार-डॉ मोहन सिंह कुशवाह, संरक्षक-डॉ अमेन्द्र कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष-त्रिलोकचंद्र शर्मा, संरक्षक-राघवेन्द्र कुमार शर्मा, सचिव-उमानाथ त्रिपाठी, संस्थापक-किशोर सैनी महासचिव-बाबूलाल वर्मा, द्वारा प्रदान किया जाकर उज्वल भविष्य की कामना की।संजय वर्मा "दृष्टि" को अब तक 640 राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। 50 वर्षो से देश विदेश की पत्र पत्रिकाओं में निरंतर इनकी रचनाओं का प्रकाशन होता हो रहा है। इनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड में तीन बार दर्ज है। स्टार बुक से भी सम्मानित है।

सारा सच, दिल्ली वार्ता, हमारी वाणी मंच से संजय वर्मा दृष्टि को लेखन क्षेत्र में तीसरा स्थान

कोलफील्ड मिरर 09 मार्च 2025: राष्ट्रीय हिन्दी मीडिया मंच "सारा सच" प्रतिवर्ष देश और प्रदेश की विशिष्ट प्रतिभाओं को राष्ट्रीय प्रतिभा उपलब्धि अवॉर्ड 2021 से सम्मानित करता आरहा है| नई दिल्ली गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया सोशल मीडिया पर सर्वे अनुसार चीफ एडिटर सारा सच (राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र), दिल्ली वार्ता (राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका), को फाउंडर हिंदी वाणी (हिंदी मासिक पत्रिका) की ओर से चीफ ऐडमिरर इन चीफ सलीम अहमद सिद्दकी के द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में मनावर जिला धार मप्र के संजय वर्मा "दृष्टि" को राष्ट्रीय हिंदी साहित्य की ओर से योर पेन योर वॉइस साहित्य लेखन क्षेत्र में "कानून" विषय पर उत्कृष्ट लेखन के लिए तीसरा स्थान प्राप्त किया है| संजय वर्मा "दृष्टि" को (मध्यप्रदेश) मे तीसरा स्थान लेखन क्षेत्र प्राप्त किए जाने पर मंच ने उन्हें विजेता सम्मान से विभूषित किया जाकर मंच उनके उज्वल भविष्य की कामना करता है। संजय वर्मा "दृष्टि" की देश-विदेश की पत्र पत्रिकाओं में प्रकशित होती है। अबतक 641 सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। इनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड में तीन बार अलग-अलग विधा में दर्ज है। स्टार बुक ऑफ रिकार्ड में नाम दर्ज है।